तापमान
अधिकतम 25.7 डिग्री
न्यूनतम 6.3 डिग्री

हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, रविवार, 14 दिसंबर 2025

11 प्राथमिक शिक्षा में रोहतक को मार्च 2026 तक बनाया ...

12 अग्निवीर भर्ती: रोहतक में युवाओं का उत्साह ...

गोशाला का बाड़ा तोड़े जाने पर फूटा गुस्सा, लोगों ने विरोध जताया

बिना नोटिस कार्रवाई करने का आरोप, 200 से अधिक गोवंश सड़कों पर आए

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण द्वारा की गई एक कार्रवाई ने प्रशासन और समाजसेवियों के बीच टकराव की स्थिति पैदा कर दी है। राजीव गांधी खेल परिसर के पास पुल के नीचे स्थापित गौशाला के अस्थायी बाड़े को शुक्रवार को प्रशासनिक अमले ने तोड़ दिया। इस कार्रवाई से नाराज समाजसेवी और गौसेवक मौके पर एकत्रित हो गए और प्रशासन के खिलाफ विरोध दर्ज कराया। समाजसेवी नवीन जयहिंद स्वयं मौके पर पहुंचे और तोड़े गए बाड़े की दोबारा तारबंदी करवाई। गोवंश सेवा समिति की महासचिव पुष्पा राणा ने आरोप लगाया कि एचएसवीपी की ओर से यह कार्रवाई बिना किसी पूर्व सूचना या नोटिस के की गई। उन्होंने बताया कि शुक्रवार दोपहर को प्रशासनिक अमला पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचा और बाड़े को तोड़ना शुरू कर दिया, जबकि उस समय बाड़े के अंदर गोवंश मौजूद थे। समिति को न तो लिखित नोटिस दिया गया और न ही मौखिक रूप से पहले कोई सूचना दी गई। पुष्पा राणा के अनुसार यह बाड़ा पूरी तरह अस्थायी था और इसे गोशाला में मौजूद करीब 750 गायों की देखभाल और सुरक्षा के लिए बनाया गया था। अचानक हुई इस कार्रवाई से न केवल गोशाला को नुकसान हुआ, बल्कि गोवंश की सुरक्षा भी खतरे में पड़ गई।

200 से अधिक गोवंश सड़कों पर

गोवंश सेवा समिति का कहना है कि प्रशासन की इस कार्रवाई के बाद करीब 200 से अधिक गायें सड़कों पर आ गईं। इससे सड़क दुर्घटनाओं का खतरा बढ़ गया है और आमजन को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। समिति के अनुसार बाड़ा टूटने से उन्हें लाखों रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ है। पुष्पा राणा ने कहा कि यदि एचएसवीपी की ओर से पहले नोटिस दिया जाता, तो समिति गोवंश को सुरक्षित तरीके से किसी अन्य स्थान पर शिफ्ट कर सकती थी। अचानक की गई कार्रवाई से न केवल नुकसान हुआ, बल्कि गोवंश भी फिर से सड़कों पर भटकने को मजबूर हो गया।

10 साल से अधिक समय से संचालित है गोशाला

समिति की महासचिव ने बताया कि यह गोशाला पिछले 10 वर्षों से भी अधिक समय से संचालित की जा रही है। उन्होंने सवाल उठाया कि एक ओर सरकार गौ-संरक्षण और गौसेवा को लेकर बड़े-बड़े दावे करती है, वहीं दूसरी ओर अधिकारियों द्वारा इस तरह की कार्रवाई करना किस तरह का संदेश देता है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कार्रवाई के दौरान भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया, मानो किसी आपराधिक गतिविधि के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा हो। उन्होंने इस पूरे मामले में जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

नवीन जयहिंद ने जताया कड़ा विरोध

समाजसेवी नवीन जयहिंद ने प्रशासन की कार्रवाई पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि गोमाता के लिए बनाया गया अस्थायी बाड़ा बिना किसी नोटिस के तोड़ दिया गया, जो पूरी तरह गलत है। जिस समय कार्रवाई की गई, उस समय गोवंश वहीं मौजूद था। अब गोवंश फिर से सड़कों पर घूम रहा है और यहां तक कि भाजपा कार्यालय के बाहर भी गायें बैठी नजर आ रही हैं। नवीन जयहिंद ने कहा कि यहां किसी प्रकार का अवैध कब्जा नहीं किया गया था, बल्कि गोवंश की सुरक्षा के लिए अस्थायी व्यवस्था की गई थी। प्रशासन की कार्रवाई से गोशाला समिति को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। उन्होंने मौके पर तारबंदी करवाई और कहा कि यदि कोई कार्रवाई करनी है तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ की जाए, न कि गोवंश की व्यवस्था को तोड़ा जाए।

शहर में आज

- अंबेडकर चौक पर सुबह 9 बजे से रक्तदान शिविर
- मांगों को लेकर रोडवेज कर्मचारियों की बैठक सुबह 10 बजे

बिजली बाधित

- दोपहर 12 से शाम 3 बजे तक

सेक्टर-14 फीडर, अस्थल बोहर, फ्रेंड्स कॉलोनी, सेक्टर-27, गांव माजरा, गढ़ी बोहर और मस्तनाथ नगर

- सुबह 10 से 1 बजे तक

आनंद नगर, इंद्र नगर, न्यू शीतल नगर, रुपया चौक, आरटीओ ऑफिस, नियर सोनू डेरी, शीतल

- सुबह 9:30 से 11:30 बजे तक

नेहरू कॉलोनी, संजय कॉलोनी, माता दरवाजा, जींद रोड़ ,गौउकरण तालाब के आस पास का एरिया, धानक स्कूल व 60 फुटरोड, जींद रोड, इंद्रा कॉलोनी, नेहरू कॉलोनी

खबर संक्षेप

घर में घुसकर हमला करने का आरोप

सांपला। कस्बे के वार्ड नंबर दस निवासी कृष्ण ने आधा दर्जन लोगों पर घर में घुसकर मारपीट करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने पीड़ित के बयान पर मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। उन्होंने शिकायत में बताया कि दो दिन पहले कस्बे के ही युवक के साथ झगड़ा हो गया था। अब रात को आधा दर्जन लोग उसके घर पर आए और उस पर हमला कर दिया। जिसमें वह घायल हो गया।

दो लोगों के खाते से 79 हजार रुपये निकाले गए

सांपला। कस्बे में साईबर ठगों ने दो लोगों के खाते से करीब 79 हजार रुपए निकाल लिए गए। पुलिस ने जयभगवान और उत्तम के बयान पर अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। बिहार निवासी उत्तम ने पुलिस शिकायत में बताया कि वह नया बास गांव में रहता है। शुक्रवार को उसके पास एक फोन कॉल आई। उन्होंने मुझे एक स्कीम के बारे में बताया। बाद में एक लिंक भेजा कहा कि इसको क्लिक करें। जैसे मैंने उस लिंक पर क्लिक किया तो कुछ ही देर बाद उसके खाते से 40 हजार रुपए निकाल लिए गए। इसकी शिकायत पुलिस में की गई। वहीं गढी सांपला निवासी जयभगवान के खाते से भी ठगों ने 39 हजार रुपए निकाल लिए।

पुलिस ने जारी की सड़क सुरक्षा एडवाइजरी

रोहतक। पुलिस ने मौजूदा मौसम को देखते हुए सर्दियों में धुंध और कोहरे के दौरान सड़क दुर्घटनाओं से बचाव के लिए यातायात एडवाइजरी जारी की है। पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र सिंह भौरिया ने कहा कि कोहरे के मौसम में थोड़ी सी सावधानी न केवल आपकी, बल्कि सड़क पर चल रहे अन्य लोगों की सुरक्षा भी सुनिश्चित कर सकती है। धुंध के कारण सड़कों पर दृश्यता कम हो जाती है, ऐसे में वाहन चलाते समय अतिरिक्त सतर्कता आवश्यक है। वाहन चालकों से आग्रह किया गया है कि वे निर्धारित गति सीमा का पालन करें और धीमी गति से वाहन चलाएं।

पानी की पाइपलाइन, सीवर और सड़कों की बदहाली प्रमुख मुद्दे गरमाएंगे

निगम हाउस मीटिंग 19 को, मेयर ने सभी पार्षदों से मांगे एजेंडे

अगस्त की बैठक में मिले थे एक-एक करोड़

निगम की इस बैठक को बेहद अहम माना जा रहा है, क्योंकि इससे पहले अगस्त माह में हुई हाउस मीटिंग काफी हंगामेदार रही थी। उस बैठक में कई पार्षदों ने अपने वार्डों में विकास कार्यों की धीमी गति को लेकर नाराजगी जाहिर की थी।

विजय अहलावत ⏭ रोहतक

नगर निगम की हाउस मीटिंग की तारीख तय हो गई है। मीटिंग 19 दिसंबर को विकास भवन में आयोजित की जाएगी। इस बैठक को लेकर निगम प्रशासन और पार्षदों में तैयारियां तेज हो गई हैं। मेयर रामअवतार वाल्मीकि ने निगम के 22 वार्डों के पार्षदों को पत्र भेजकर उनके-अपने वार्ड से संबंधित एजेंडे मांगे हैं। इन एजेंडों पर हाउस मीटिंग में चर्चा की जाएगी और यदि प्रस्ताव पास होते हैं तो संबंधित विकास कार्यों के लिए बजट जारी कर काम शुरू करवाया जाएगा। नगर निगम की इस बैठक को बेहद अहम माना जा रहा है, क्योंकि इससे पहले अगस्त माह में हुई हाउस मीटिंग काफी हंगामेदार रही थी। उस बैठक में कई पार्षदों ने अपने वार्डों में विकास कार्यों की धीमी गति और अधूरे कामों को लेकर नाराजगी जाहिर की थी। हालांकि अगस्त की बैठक में प्रत्येक वार्ड को विकास कार्यों के लिए एक-एक करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई थी, लेकिन इसके बावजूद कई वार्डों में समस्याएं बनी हुई हैं।

पानी, सीवर और सड़कें बड़े मुद्दे

इस बार की हाउस मीटिंग के लिए अधिकतर पार्षदों ने अपने एजेंडे तैयार करने शुरू कर दिए हैं। पार्षदों का फोकस मुख्य रूप से पेयजल आपूर्ति, सीवर व्यवस्था और सड़कों की हालत पर है। कई वार्डों में पीने के पानी की किल्लत लंबे समय से बनी हुई है। कहीं पाइप लाइन पुरानी हो चुकी है तो कहीं लीकेज के कारण लोगों को गंदा पानी मिल रहा है। इसी तरह सीवर लाइन के डैमेज होने और मेनहोल ओवरफ्लो की समस्या भी लगातार सामने आ रही है। बरसात और सर्दी के मौसम में हालात और ज्यादा खराब हो जाते हैं। जगह-जगह सड़कों पर सीवर का पानी जमा रहने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। वहीं, कई कॉलोनियों की सड़कें टूट चुकी हैं, जिससे वाहन चालकों और राहगीरों को दिक्कत होती है।

अगस्त की बैठक में उठे थे सवाल

अगस्त माह में हुई हाउस की मीटिंग में पार्षदों में बहस देखने को मिली थी। कुछ पार्षदों ने आरोप लगाए थे कि उनके वार्डों में स्वीकृत राशि के बावजूद विकास कार्य जमीन पर नजर नहीं आ रहे। वहीं, अधिकारियों ने प्रक्रिया और टेंडर संबंधी औपचारिकताओं का हवाला दिया था। अब चार महीने बाद होने जा रही इस मीटिंग में फिर से उन्हीं मुद्दों के उठने की संभावना जताई जा रही है। पार्षदों का कहना है कि यदि अगस्त में स्वीकृत राशि का सही उपयोग हुआ होता, तो आज उन्हें दोबारा वही समस्याएं एजेंडे में शामिल नहीं करनी पड़तीं।

मीटिंग से विकास को लेकर उम्मीदें

नगर निगम हाउस की 19 दिसंबर को होने वाली बैठक से पार्षदों के साथ-साथ शहरवासियों को भी उम्मीदें हैं। लोगों का मानना है कि यदि इस बार एजेंडे गंभीरता से पास होकर उन पर समयबद्ध कार्रवाई होती है, तो शहर की बुनियादी समस्याओं से राहत मिल सकती है। अब देखना यह होगा कि हाउस मीटिंग में कितने एजेंडे पास होते हैं और अगस्त में स्वीकृत राशि के साथ-साथ नई स्वीकृतियों का कितना असर जमीन पर दिखाई देता है।

तैयार किए जा रहे हैं एजेंडे

मेयर रामअवतार वाल्मीकि की ओर से एजेंडे मांगे गए हैं, फिलहाल एजेंडे तैयार किए जा रहे हैं। उनके वार्ड में पीने के पानी की गंभीर समस्या बनी हुई है। कई जगह सीवर लाइन डैमेज है और मेनहॉल की मरम्मत की सख्त जरूरत है। इसके अलावा उनके वार्ड में कई सड़कों का निर्माण भी कराया जाना जरूरी है। इन सभी समस्याओं को एजेंडे के रूप में हाउस मीटिंग में रखा जाएगा। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कई बार शिकायतें और मांग उठाने के बावजूद न तो पीने के पानी की समस्या का समाधान हो पा रहा है और न ही सीवर की स्थिति में कोई सुधार आया है। **-पार्षद कपिल नागपाल, वार्ड नंबर 7**

कई अधूरे काम पूरे करवाने हैं

एजेंडे तैयार किए किए गए हैं। भगत सिंह कॉम्प्लेक्स में ओपन लाइब्रेरी की स्थापना करवाई जाएगी। पाड़ा मोहल्ला में डिस्पेंसरी की स्थापना करवाई जाएगी। सार्वजनिक शौचालयों की मरम्मत करवाई जाएगी। बूस्टरों की सफाई करवाने से लेकर, सीवर, पानी, टूटी सड़कों की समस्या से निजात दिलवाई जाएगी। राधे-राधे पार्क में सीसीटीवी लगवाने की मांग की जाएगी। इसके अलावा स्कूल और चौराहों के पास स्पीड ब्रेकर आदि की मांगें रखी जाएगी। **-नीरा भटनागर**, पार्षद वार्ड नम्बर 6

वार्ड में सड़कों व सीवर की समस्या ज्यादा

हमारे वार्ड में सड़कों और सीवर की समस्या ज्यादा है। सीवर बंद रहते हैं या ओवरफ्लो रहते हैं। इसके अलावा कई जगह सड़क बनाने की मांग है। इनके समेत कई एजेंडे तैयार कर हाउस की मीटिंग में रखे जाएंगे। आमजन की समस्याओं का निवारण करवाने के लिए बेहतर प्रयास करेंगे।
-**विजय गोयल**, पार्षद वार्ड नम्बर 17

पैरा नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप में कविता पांचाल का शानदार प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

कविता पांचाल का स्वागत करते कोच-खिलाड़ी।

6वीं पैरा नेशनल शूटिंग चैंपियनशिप 2025 में कविता पांचाल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 1 स्वर्ण पदक और 1 कांस्य पदक अपने नाम किया। इस उपलब्धि के बाद जब कविता अपने अकादमी पहुंचीं, तो उनका जोरदार और भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर यह भी जानकारी दी गई कि कविता पंचाल पीजीआई रोहतक में ग्रुप-डी में कार्यरत हैं। अपनी नौकरी के साथ-साथ उन्होंने शूटिंग में यह बड़ा मुकाम हासिल कर यह साबित किया कि कड़ी मेहनत और मजबूत इरादों से हर लक्ष्य पाया जा सकता है।

कविता पांचाल ने अपनी जीत का श्रेय अपने पति दिनेश कुमार और अपने कोच को दिया। कविता ने भावुक होकर बताया कि वह पैरों से लाचार थीं, लेकिन उनके पति और कोच ने हर कदम पर उन्हें हौसला दिया और संभाला। इस सफर में उन्हें कई समस्याओं का सामना करना पड़ा, लेकिन आज यह सफलता उनके अपनों के विश्वास की जीत है।

वहीं कोच ने कहा कि कविता बेहद मेहनती खिलाड़ी हैं। उनकी मेहनत को देखकर अकादमी के अन्य बच्चों में भी आगे बढ़ने का हौसला मिलता है। कोच ने विश्वास जताया कि आने वाले समय में कविता पांचाल देश के लिए ओलंपिक में भी पदक जीतेंगी। कविता पंचाल की इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र और शूटिंग जगत में खुशी और गर्व का माहौल है।

सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने भराण में किया चौपाल का उद्घाटन

महम। राज्यसभा सांसद रामचंद्र जांगड़ा शनिवार को भराण गांव में पहुंचे। इस दौरान उन्होंने कई विकास कार्यों का उद्घाटन किया। गांव में पहुंचने पर ग्रामीणों ने उनका फूल मालाओं से स्वागत किया। सांसद रामचंद्र जांगड़ा ने पूरे हुए विकास कार्यों का उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने लगभग 20 लाख की लागत से एससी चौपाल का नवीनीकरण कार्य पूरा होने पर उद्घाटन किया। वाल्मीकि आश्रम का नवीनीकरण कार्य पूर्ण होने पर उसका भी उद्घाटन किया। सांसद ने गोगापीर मंदिर की चोरदीवारी के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। इस मौके पर उनके साथ महंत सतीश दास, चेयरमैन नवनीत राठी, दलबीर नंबरदार, जस्सू नाई, देवेंद्र खरकड़ा, संदीप कुमार, अशोक कौशिक, मोहन, मोहित, महेंद्र, मंदीप व संजय दहिया समेत कई भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

एमडीयू में सीसीपीसी की विशेष बैठक

रोजगार परक कौशल को बढ़ावा देने के लिए कोर्सेज शुरू किए जाएंगे

विद्यार्थियों के लिए फरवरी 2026 में विवि स्तर पर जॉब फेयर का आयोजन किया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

महर्षि दयानंद वश्विवद्यालय के कुलपति प्रो. राजबीर सिंह की अध्यक्षता में करियर काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल (सीसीपीसी) की बैठक का आयोजन किया गया।

इस विशेष बैठक में कुलपति प्रो. राजबीर सिंह ने वद्यिार्थियों की क्षमता नर्मिाण (कैपेसिटी बल्डिगिं) और रोजगारोन्मुखी प्रशक्षिण को सुदृढ़ करने के साथ-साथ प्लेसमेंट गतिविधियों को और प्रभावी बनाने पर फोकस करने की बात कही। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों के लिए फरवरी 2026 में वश्विवद्यालय स्तर पर एक बड़े जॉब फेयर का आयोजन किया जाएगा।

बैठक में नर्णिय लिया गया कि सीसीपीसी आगामी सत्र में ऑनलाइन कोर्सेज के इंटीग्रेशन, फैकल्टी की अप-स्किलिंग, वद्यिार्थियों की कैपेसिटी बल्डिगिं, नेटवर्किंग एवं इंडस्ट्री इंटरेक्शन, प्लेसमेंट, इंटर्नशिप तथा करियर काउंसलिंग पर केंद्रित होकर कार्य करेगा। प्रोफेशनल कोर्सेज संचालित करने वाले विभागों में रोजगारपरक कौशल को बढ़ावा देने के लिए उन्नत ऑनलाइन कोर्सेज शुरू किए जाएंगे, जिनसे वश्विवद्यालय के यूटीडी के साथ-साथ संबद्ध महावद्यिालयों के वद्यिार्थियों को भी जोड़ा जाएगा।

सीसीपीसी की निदेशक प्रो. दव्यिा मल्हान ने वर्ष भर में आयोजित विभन्नि गतिविधियों का वस्तिृत विवरण प्रस्तुत किया और भवष्यि की योजनाओं से अवगत कराया।

बैठक में नैसकॉम, आईबीएम स्कल्सि बल्डि तथा महेंद्रा प्राइड के प्रतिनिधियों ने सीसीपीसी के सहयोग से वद्यिार्थियों की प्लेसमेंट और काउंसलिंग के लिए किए जा रहे प्रयासों और आगामी योजनाओं की जानकारी दी।

अदालत में 6 करोड़ 98 लाख 24 हज़ार 575 रुपये की राशि का हुआ भुगतान

राष्ट्रीय लोक अदालत में रखे गए 24873 मामलों में से 22253 का हुआ निपटारा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रोहतक

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव डॉ. तरन्नुम खान द्वारा जिला कोर्ट परिसर तथा महम उपमंडल कोर्ट परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। जिला एवं सत्र न्यायाधीश नीरजा कुलवंत कलसन के मार्गदर्शन में आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में विभिन्न प्रकार के मामलों का सफलतापूर्वक निपटारा किया गया। इस अवसर पर कुल 7 बेंचों का गठन किया गया, जिसमें 6 बैंच जिला स्तर तथा एक बैंच महम उपमंडल में आयोजित की गई। इन बैंचों में मुख्य रूप से अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनिल कौशिक , संगीता राय सचदेव प्रिंसिपल जज फैमिली कोर्ट निचली अदालत में, कर्ण दीप, रवलीन कौर व ममता जुडिशल मजस्ट्रिेट फर्स्ट क्लास, मोहम्मद सगीर सीजेएम, अमित श्योराण सब डिविजनल जुडिशल मजस्ट्रिेट की बेंच बनाई गई।

6 करोड़ 98 लाख 24 हज़ार 575 रुपए की राशि का कोर्ट में हुआ भुगतानः राष्ट्रीय लोक अदालत में कुल 24,873 मामलों को सुनवाई की गई, जिनमें से 22,253 मामलों का निपटारा किया गया। इन मामलों में पक्षकारों के बीच कुल 6,98,24,575 रुपये (लगभग 6.98 करोड़ रुपये) की समझौता राशि तय हुई। राष्ट्रीय लोक अदालत में बैंक वसूली मामले, एनआई एक्ट, मोटर दुर्घटना दावा, आपराधिक कंपाउंडेबल मामले, वैवाहिक विवाद, राजस्व मामले, बिजली व पानी के बिलों से संबंधित मामले सहित विभन्नि श्रेणियों के प्रकरणों का आपसी सहमति से समाधान किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने इस अवसर पर सभी न्यायिक अधिकारियों, अधिवक्ताओं, बैंक प्रतिनिधियों एवं संबंधित विभागों के सहयोग की सराहना की तथा आमजन से अपील की कि वे लोक अदालत की प्रक्रिया का लाभ उठाकर अपने विवादों का त्वरित, सरल एवं सौहार्दपूर्ण समाधान करें।

रोहतक। राष्ट्रीय लोक अदालत में केसो की सुनवाई करते हुए। फोटोः हरिभूमि

एक जनवरी से पहले निपटा लें ये चार जरूरी काम

- टैक्स और कानूनी झंझट से बचने के लिए भर दे आईटीआर
- करदाताओं के लिए अपने पैन को आधार से लिंक करना जरूरी

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी कानूनी झंझटों से मुक्ति चाहते हैं तो एक जनवरी से पहले कुछ जरूरी काम निपटा लें, वरना बाद में दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। इस रिपोर्ट में हम आपको बता रहे हैं वे जरूरी काम जिन्हें इसी महीने में निपटाना बेहद जरूरी है। दिसंबर 2025 में करदाताओं के लिए चार जरूरी वित्तीय डेडलाइन, जिन्हें समय पर पूरा करना बचाएगा जुर्माने और कानूनी परेशानियों से। वित्त वर्ष 2025 अपने आखिरी चरण में है और करदाताओं के लिए दिसंबर कई अहम डेडलाइन लेकर आया है। अगर ये काम समय पर पूरे नहीं किए गए, तो आपको आर्थिक नुकसान और दस्तावेजों की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

बिलेटेड आईटीआर फाइलिंग का अंतिम मौका

अगर आप वित्त वर्ष 2024-25 का आईटीआर समय पर नहीं जमा कर पाए हैं, तो 31 दिसंबर 2025 तक विलंब शुल्क के साथ इसे फाइल किया जा सकता है। 5 लाख रुपये तक की आय पर 1,000 रुपये और 5 लाख रुपये या उससे अधिक आय पर 5,000 रुपये का जुर्माना लगेगा। 31 दिसंबर के बाद यह अवसर खत्म हो जाएगा। इसलिए इस पर ध्यान दें और अपनी आईटीआर जमा करवा दें।

पैन -आधार लिंकिंग

सभी करदाताओं के लिए अपने पैन को भी आधार से लिंक करना बेहद अनिवार्य है। इसके लिए अंतिम तारीख 31 दिसंबर 2025 ही है। अगर इस दौरान आप लिंकिंग नहीं करवा पाए तो आपके लिए परेशानी खड़ी हो सकती है। इससे आपका पैन कार्ड निष्क्रिय हो जाएगा और बैंक खाता या निवेश से जुड़े सभी काम प्रभावित हो सकते हैं। इसे इनकम टैक्स ई-फाइलिंग पोर्टल पर जल्द पूरा करें। वरना आपको पछतान पड़ेगा और काम प्रभावित होंगे। इसलिए समय रहते अपने पैन को आधार के लिंक जरूर करवा लें।

एडवांस टैक्स की अंतिम किस्त

जिन करदाताओं की अनुमानित कर देनदारी 10,000 रुपये से अधिक है, उन्हें 15 दिसंबर 2025 तक चौथी और अंतिम एडवांस टैक्स किस्त जमा करनी होगी। समय पर भुगतान न करने पर ब्याज और जुर्माना लग सकता है। अगर आप भी इस श्रेणी में आते हैं तो आपको भी यह काम समय रहते पूरा कर लेना चाहिए, ताकि किसी भी परेशानी से बचा जा सके। इसलिए अपनी किस्त समय से जमा करवा दें और परेशानी से मुक्ति पा लें।

ऑडिटेड आईटीआर की फाइलिंग

टैक्स ऑडिट के दायरे में आने वाले करदाताओं के लिए आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तारीख 10 दिसंबर 2025 है। इसे समय पर जमा करना जरूरी है, ताकि रिटर्न लेट न माना जाए और कानूनी परेशानियों से बचा जा सके। इसलिए 31 दिसंबर की तारिख आप सभी के लिए काफी है। इससे पहले की अपने जरूरी काम पूरे कर लें और परिशानियों का बाय बाय कर दे। अगर समय रहते ये काम पूरे नहीं कर पाएंगे तो आपको कानूनी परेशानियों का भी सामना करना पड़ सकता है और आर्थिक रूप से जो नुकसान होगा वह अलग। समय रहते ये चार काम निपटा लेंगे तो जुर्माने से भी बच जाएंगे और आप खुद को तनाव मुक्त भी महसूस करेंगे।

अगले साल भी बरकरार रह सकती है गोल्ड की चमक

- इस साल 67% से अधिक रिटर्न दे निवेशकों को किया मालामाल
- निवेश का सबसे सुरक्षित विकल्प लेकिन रणनीति बनाना जरूरी
- सोने की कीमतें रिकॉर्ड हाई के करीब हैं, ऐसे में सोच-समझकर करें निवेश
- चालू वर्ष में असाधारण रूप से रिटर्न दिया

बिजनेस डेस्क

सुरक्षित निवेश विकल्प के रूप में सोने की चमक बरकरार है और इस साल घरेलू बाजार में इसने अबतक लगभग 67% का रिटर्न दिया है। जानाकारों का मानना है कि यदि वैश्विक परिस्थितियां और रुपये–डॉलर की दर लगभग समान बनी रहती है या रुपया कमजोर होता है, तो 2026 में सोने की कीमत प्रति दस ग्राम 5 से 16% 0 और चढ़ सकती हैं। उनका यह भी कहना है कि चूंकि सोने की कीमतें रिकॉर्ड हाई के करीब हैं, ऐसे में सोच-समझकर निवेश करना जरूरी है। दिल्ली सर्राफा संघ के आंकड़ों अनुसार, इस साल एक जनवरी को राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत 79,390 रुपये प्रति 10 ग्राम थी जो बीते शुक्रवार पांच दिसंबर को 1,32,900 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। 'चालू वर्ष में सोने ने असाधारण रूप से मजबूत रिटर्न दिए हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की कीमतें इस साल अब तक लगभग 60 प्रतिशत (लंदन बुलियन मार्केट एसोसिएशन) तक चढ़ चुकी हैं। इसका मुख्य कारण सुरक्षित निवेश की मांग, भू-राजनीतिक तनाव और दुनिया के बड़े केंद्रीय बैंकों के ब्याज दर घटाने की उम्मीद है।

काफी बेहतर प्रदर्शन

भारत में रिटर्न इससे भी ज्यादा है। घरेलू बाजार में सोने की कीमत इस साल अब तक करीब 67 प्रतिशत चढ़ चुकी है। इसका अन्य कारण डॉलर के मुकाबले रुपये का कमजोर होना और मजबूत वैश्विक संकेत है।' 'कुल मिलाकर, 2025 में सोने ने अधिकांश निवेश उत्पादों (इक्विटी शेयर और बॉन्ड) की तुलना में काफी बेहतर प्रदर्शन किया है और साबित किया है कि अनिश्चितता और अस्थिर समय में यह सबसे भरोसेमंद साधन है। अगर इक्विटी शेयर पर रिटर्न देखा जाए तो निफ्टी 50 टीआरआई (कुल रिटर्न सूचकांक) और निफ्टी 500 टीआरआई ने तीन दिसंबर तक क्रमशः 6.7 प्रतिशत और 5.1 प्रतिशत का रिटर्न दिया है।

10 साल के सरकारी बॉन्ड का प्रतिफल दिसंबर 2025 की शुरुआत में लगभग 6.53 प्रतिशत रहा। सोने की कीमत में आई तेजी के कारण 'वैश्विक आर्थिक और भू-राजनीतिक अनिश्चितता, डॉलर सूचकांक में कमजोर रुख, मुद्रास्फीति की चिंता और इसके खिलाफ सुरक्षा की आवश्यकता ने निवेशकों के लिए सोने में निवेश को आकर्षक विकल्प बनाया है।

ब्याज दरों में कटौती की संभावना ने निवेशकों को सोने की ओर आकर्षित किया

यह भी कारक

वैश्विक केंद्रीय बैंकों और संस्थागत निवेशकों द्वारा बड़े पैमाने पर खरीद के अलावा अमेरिका में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद और अनुकूल मौद्रिक नीति की संभावनाएं भी सोने की बढ़ती कीमतों का एक महत्वपूर्ण कारक रही हैं। इसके साथ ही, डॉलर के मुकाबले रुपये की कमजोरी ने भारत में सोने की कीमतों में और इजाफा किया है। 'वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, मुद्रास्फीति की लगातार चिंताएं और ब्याज दरों में कटौती की संभावना ने निवेशकों को सोने जैसी सुरक्षित निवेश वाली संपत्तियों की ओर आकर्षित किया है। इसके अलावा, दुनिया भर में केंद्रीय बैंकों की मजबूत खरीदारी और त्योहारों की मांग ने सोने की कीमतों में तेजी को और बढ़ावा दिया है।' अगले साल के परिदृश्य के बारे में कहा जा रहा है कि 'यदि वैश्विक परिस्थितियां और रुपये–डॉलर दर लगभग समान बनी रहती है या रुपया कमजोर होता है, तो भारत में सोने की कीमत 1.45 लाख से 1.55 लाख रुपये को पार कर सकती हैं।

क्या कहते हैं जानकार

जानकारों का कहना है कि 'हमारा अनुमान है कि आने वाले वर्ष में सोने की कीमत पांच प्रतिशत से 15 प्रतिशत तक बढ़ जाएगी, क्योंकि जिन कारणों ने इस साल कीमतों को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है, उनके अगले वर्ष भी जारी रहने की संभावना है।' मौजूदा हालात सोने में निवेश के लिए अनुकूल हैं। खासकर उन लोगों के लिए जो अपने निवेश में विविधता और मुद्रास्फीति तथा वैश्विक अनिश्चितताओं से बचाव चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'हालांकि, सोने में निवेश को जोखिम के बचाव के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि एकमात्र निवेश विकल्प के रूप में। निवेश का लगभग पांच प्रतिशत से 10 प्रतिशत कीमती धातुओं (सोना और चांदी) में निवेश होना चाहिए। सोने और चांदी में निवेश जोखिम के आधार पर होना चाहिए। 'चूंकि सोने की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई के करीब हैं (वर्तमान में लगभग 4,200 डॉलर प्रति औंस), इसलिए अनुशासित और सोच-विचार कर निवेश महत्वपूर्ण है। आगे की वृद्धि भू-राजनीतिक जोखिमों और मुद्रास्फीति की चिंताओं पर निर्भर है। सुरक्षित निवेशकों के लिए पोर्टफोलियो में आठ से 12 प्रतिशत का हिस्सा सोने में होना उपयुक्त है।

ऐसे कर सकते हैं निवेश

वर्तमान समय में सबसे अच्छा तरीका यह है कि गोल्ड ईटीएफ में एसआईपी के माध्यम से निवेश करें या कीमतों में चार से पांच प्रतिशत की गिरावट पर अतिरिक्त हिस्सेदारी जोड़ें। अब तक हुई तेज बढ़ोतरी को देखते हुए एकमुश्त निवेश के बजाय एसआईपी (व्यवस्थित निवेश योजना)/ एसटीपी (व्यवस्थित हस्तांतरण योजना) के जरिए निवेश करना बेहतर होगा। 'वर्तमान परिवेश में, गोल्ड ईटीएफ निवेश का पसंदीदा तरीका है, क्योंकि ये खरीद-बिक्री के लिहाज से सुगम हैं। साथ ही भौतिक रूप से सोना रखने के उलट, इसके रख-रखाव या सुरक्षा को लेकर कोई चिंता नहीं है। पारंपरिक जरूरतों के लिए, खासकर भारत में, जहां शादी, त्योहारों और पारिवारिक अवसरों में सोने की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, भौतिक सोने में थोड़ा सा हिस्सा रखना पूरी तरह से उचित है। 'हालांकि, पूंजी सृजन के मकसद से सोने के आवंटन का अधिकांश हिस्सा ईटीएफ के माध्यम से बनाए रखना सबसे अच्छा है।

पहली-पहली लगी है नौकरी तो निवेश को दें पहली प्राथमिकता

कई जगह निवेश कर बनाएं भविष्य सुरक्षित, युवा थोड़ा थोड़ा निवेश कर काफी अच्छा फंड कर सकते हैं तैयार

अगर आपकी भी पहली नौकरी लगी है और सैलरी आ गई है तो ध्यान दें। पूरी सैलरी को महज मौज मस्ती के लिए खर्च न करें। इसमें से कुछ हिस्सा बचत करें यानी निवेश करें। इससे आपको भविष्य में आर्थिक रूप से मजबूती मिलेगी। अपनी सैलरी का कुछ हिस्सा कई जगह निवेश करें। युवा थोड़ा थोड़ा निवेश कर काफी अच्छा फंड तैयार कर सकते हैं। पैसों का निवेश करना हर व्यक्ति के लिए बहुत ही जरूरी होता है। निवेश के लिए बेस्ट ऑप्शन की तलाश करें और पैसा बचाएं। इससे आपको कभी भी पैसों की तंगी नहीं होगी। रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं ऐसे ही कुछ निवेश के ऑप्शन के बारे में जो आपको आर्थिक रूप से मजबूत बनाएंगे। यह मजबूती आपके परिवार और बच्चों के लिए बेहद अहम होगी। जिन लोगों की पहली नौकरी लगी है, उन लोगों को यहां जरूर निवेश करना चाहिए।

निवेश के लिए सुरक्षित ऑप्शन

पैसों का निवेश करना हर व्यक्ति के लिए बहुत ही जरूरी होता है। ऐसे में हर व्यक्ति को निवेश जरूर करना चाहिए। खासकर युवा लोगों को निवेश को जरूर प्राथमिकता देनी चाहिए और अपनी मंथली इनकम का कुछ हिस्सा बचाकर एक अच्छी स्कीम में जरूर निवेश करना चाहिए। अगर आप एक युवा हैं और आपकी पहली नौकरी लगी है और आप निवेश के लिए बेस्ट ऑप्शन चुने और रणनीति बनाकर निवेश करें। अपने लक्ष्य को पहचानें और आगे बढ़ते जाएं। युवा थोड़ा थोड़ा निवेश कर अपने भविष्य के लिए काफी अच्छा फंड बना सकते हैं।

म्यूचुअल फंड एसआईपी

अगर आप एक युवा हैं तो आपको अपने पोर्टफोलियो में म्यूचुअल फंड एसआईपी को जरूर शामिल करना चाहिए। यहां आप हर महीने केवल 500 रुपये एसआईपी शुरू कर सकते हैं और इसे लंबे समय तक जारी रख सकते हैं। लंबे समय में म्यूचुअल फंड एसआईपी में आपको काफी अच्छा रिटर्न मिल सकता है, जो आपके भविष्य को सुरक्षित बनाएगा।

पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ)

पब्लिक प्रोविडेंट फंड यानी पीपीएफ स्कीम भी काफी लोकप्रिय सरकारी स्कीम है, जहां निवेशक थोड़े थोड़े निवेश के साथ अच्छा फंड बना सकते हैं। पीपीएफ में आपको सालाना 15 सालों तक निवेश करना होगा। यहां आपको 7.1 प्रतिशत की दर से रिटर्न मिलता है। यह भी निवेश का बेहतर विकल्प है। यह युवाओं के बीच काफी लोप्रिय है। इसलिए पीपीएफ में निवेश का विकल्प भी युवा चुन सकते हैं।

एफडी और आरडी

सुरक्षित निवेश के लिए आपको अपनी कुछ सेविंग्स को बैंक एफडी में भी जरूर निवेश करना चाहिए‍द्ध इसके अलावा रिकरिंग डिपॉजिट यानी आरडी भी एक बेस्ट ऑप्शन है, जहां आप हर महीने थोड़ा थोड़ा निवेश कर सकते हैं, और एक फिक्स्ड ब्याज दर से रिटर्न पा सकते हैं। हालांकि इसमें रिटर्न बेहद कम मिलता है, लेकिन निवेश का सबसे सुरक्षित विकल्प है। अपने निवेश के पोर्टफोलियो में गोल्ड को भी थोड़ी जगह दें और यहां पर भी अपने पैसों को जरूर निवेश करें। गोल्ड में निवेश करने के लिए आप डिजिटल गोल्ड और गोल्ड ईटीएफ में निवेश कर सकते हैं।

सिल्वर ईटीएफ ने कराई जबरदस्त कमाई, 11 माह में दिया 100% से ज्यादा रिटर्न

सिल्वर ईटीएफ एक म्यूचुअल फंड है जो चांदी की कीमत को ट्रैक करता है

निवेश मंत्रा

बिजनेस डेस्क

इस साल सिर्फ फिजिकल चांदी ही नहीं, बल्कि सिल्वर ईटीएफ ने भी निवेशकों की जबरदस्त कमाई करवाई है। सिल्वर ईटीएफ ने इस साल अब तक यानी करीब 11 महीने में ही 100% से ज्यादा रिटर्न दिया है। ऐसे में निवेशक सोच रहे हैं कि क्या उन्हें अपना मुनाफा बुक कर लेना चाहिए या निवेश जारी रखना चाहिए। सिल्वर ईटीएफ एक म्यूचुअल फंड है जो चांदी की कीमत को ट्रैक करता है और स्टॉक एक्सचेंजों पर शेयरों की तरह कारोबार करता है। इसमें फिजिकल चांदी खरीदने की जरूरत नहीं होती। निवेशक ट्रेडिंग अकाउंट के जरिए इसकी यूनिट खरीद और बेच सकते हैं। यह भौतिक चांदी की कीमतों को ट्रैक करता है, जिससे निवेशक बिना चांदी खरीदे, उसके दाम बढ़ने का फायदा उठा सकते हैं। यह 99.9% शुद्ध चांदी में निवेश करता है और डीमैट खाते के ज़रिए शेयरों की तरह खरीदा-बेचा जा सकता है, जो सुरक्षा और स्टोरेज की झंझट से बचाता है।

स्टॉक एक्सचेंजों पर शेयरों की तरह कारोबार भी करता है

इस समय चांदी आधारित 21 ईटीएफ और एफओएफ

इस समय चांदी आधारित 21 ईटीएफ और एफओएफ हैं, जिन्होंने इस अवधि में औसतन 98.51% का रिटर्न दिया है। इन 21 फंडों में से 10 ने साल 2025 में अब तक 100% से ज्यादा रिटर्न दिया है। यूटीआई सिल्वर ईटीएफ ने 2025 में अब तक सबसे ज्यादा 100.89% का रिटर्न दिया है। इसके बाद आईसीआईसीआई प्रू सिल्वर ईटीएफ का नंबर आता है, जिसने 100.72% का रिटर्न दिया है। एचडीएफसी सिल्वर ईटीएफ और एसबीआई सिल्वर ईटीएफ ने 2025 में अब तक क्रमशः 100.29% और 100.04% का रिटर्न दिया है। निप्पॉन इंडिया सिल्वर ईटीएफ ने इस अवधि में 99.98% का रिटर्न दिया है। एक्सिस सिल्वर एफओएफ और टाटा सिल्वर ईटीएफ एफओएफ ने इसी अवधि में क्रमशः 94.38% और 92.52% का रिटर्न दिया है।

क्यों आई तेजी

वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के माहौल में चांदी में सुरक्षित निवेश के साथ-साथ मजबूत औद्योगिक मांग (इलेक्ट्रॉनिक्स, ईवी, सोलर पैनल आदि के लिए) भी है। इसके साथ ही, दुनिया भर के केंद्रीय बैंकों की ठोस खरीदारी और त्योहारी मांग ने कीमतों में और तेजी ला दी। एक्सपर्ट के अनुसार इस साल की शुरुआत में ईवी, सोलर पैनल, ग्रीन ट्रांजिशन और वैश्विक विद्युतीकरण को लेकर आशावाद ने लगातार औद्योगिक मांग की उम्मीदों को बढ़ाया। वैश्विक निवेशकों ने ब्याज दरों में कटौती, कम वास्तविक यील्ड और कमजोर डॉलर की उम्मीदों के बीच चांदी ईटीएफ में पैसा लगाया, जिससे यह तेजी और बढ़ गई।

क्या कहते हैं जानकार

बाजार के जानकारों का कहना है कि अगर चांदी में आपका निवेश आपकी तय सीमा से ज्यादा हो गया है, तो कुछ मुनाफा बुक करना ठीक रहेगा, लेकिन अगर आप 5 साल या उससे ज्यादा समय के लिए निवेशित रहना चाहते हैं, तो यह अभी भी फायदेमंद है। अगर चांदी में आपका निवेश आपके पोर्टफोलियो में तय सीमा से ज्यादा हो गया है, तो कुछ मुनाफा बुक करना सही है। वहीं 5 साल या उससे ज्यादा समय के लिए निवेशित रहना अभी भी फायदेमंद है।

यह कैसे काम करता है

सिल्वर ईटीएफ फंड कुल संपत्ति का कम से कम 95% हिस्सा 99.9% या उससे ज़्यादा शुद्ध चांदी या चांदी से जुड़े डेरिवेटिव्स में निवेश करता है। आप इसे स्टॉक की तरह ब्रोकरेज अकाउंट के ज़रिए खरीद और बेच सकते हैं, जिससे यह आसान और तरल हो जाता है। इसका नेट एसेट वैल्यू (एनएवी) चांदी की कीमत के साथ ऊपर-नीचे होता है।

मुख्य लाभ

भौतिक चांदी खरीदने, रखने और उसकी सुरक्षा की चिंता नहीं होती। यह सोने और चांदी के माध्यम से आपके पोर्टफोलियो को संतुलित करने में मदद करता है। और कम पैसों (जैसे 500 रुपये) से भी एसआईपी के ज़रिए निवेश शुरू कर सकते हैं।

ऐसे करें निवेश

- ब्रोकर के साथ डीमैट और ट्रेडिंग खाता : किसी भी ब्रोकर के पास खाता खोलें जो ईटीएफ में निवेश की सुविधा देता हो।
- सही सिल्वर ईटीएफ चुनें: अपनी ज़रूरत के हिसाब से जैसे निप्पॉन, कोटक, आईसीआईसीआई आदि के सिल्वर ईटीएफ चुनें।
- खरीदें : स्टॉक की तरह अपने ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म से सिल्वर ईटीएफ के यूनिट्स खरीदें।

बीमा की अनदेखी और वित्तीय समीक्षा न करना बना देगी आर्थिक रूप से कमजोर

क्रेडिट कार्ड का गलत इस्तेमाल, बचत में देरी भी बढ़ाती है परेशानी

छोटे-छोटे खर्चों को नजरअंदाज न करें, वरना बढ़ सकता है आर्थिक संकट रोजमर्रा की आदतें अक्सर अन-नोटिस तरीके से पैसा कर देती हैं कम

अगर आप भी अपना आर्थिक संकट नहीं बढ़ाना चाहते हैं तो अपने छोटे छोटे खर्चों को नजरअंदाज न करें। वरना ये आपकी बड़ी परेशानी बढ़ा सकते हैं। मसलन बाजार में ऑफर और सस्ती चीजों को देखकर ललचाएं नहीं। जो आपके जरूरत की चीजें हैं सिर्फ उन्हें ही खरीदें और मस्ती से जीवन व्यतीत करें। कई बार देखने में आता है कि छोटी-छोटी रोजमर्रा की आदतें अक्सर अन-नोटिस तरीके से आपका पैसा कम कर देती हैं। रोजाना के खर्च, क्रेडिट कार्ड का गलत इस्तेमाल, बचत में देरी, बीमा की अनदेखी और वित्तीय समीक्षा न करना आपके भविष्य को कमजोर कर सकते हैं। जागरूकता और सही कदम आपकी वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। अक्सर लोग सोचते हैं कि पैसों की समस्या बड़ी गलती, अचानक खर्च, नौकरी छूटना या गलत निवेश की वजह से होती है, लेकिन सच यह है कि छोटी-छोटी रोजमर्रा की आदतें आपके पैसे को धीरे-धीरे कम कर देती हैं। ये आदतें छोटी लगती हैं, कभी-कभी अनजाने में होती हैं और समय के साथ बचत को कमजोर कर देती हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताने जा रहे हैं ऐसे ही कुछ आदतें जो आपको नुकसान पहुंचा सकती हैं और उन्हें कैसे सुधारा जा सकता है। इनको सुधारकर आप अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार सकते हैं और अनावश्यक खर्चे से भी बच सकते हैं।

सुझाव

बिजनेस डेस्क

छोटे खर्चों को नजरअंदाज करना

छोटे-छोटे खर्च, जैसे हर दिन की कॉफी, नाश्ता या मोबाइल ऐप सब्सक्रिप्शन, अक्सर नजरअंदाज कर दिए जाते हैं, लेकिन अगर इन्हें जोड़ा जाए तो यह महीने के अंत में एक बड़ी रकम बन जाती है। इसलिए अपने खर्चों को एक हफ्ते तक नोट करें और देखें कि आपका पैसा कहां जा रहा है। इसका मतलब यह नहीं कि आपको अपनी पसंदीदा चीज़ें छोड़नी हैं, बल्कि आप जागरूक होकर सोच-समझकर खर्च करें। इसके बाद जब आप माह के अंत में देखेंगे तो आपको बड़ी राहत मिलेगी।

बचत बाद में करना

कई लोग सोचते हैं कि महीने के आखिर में बचत करेंगे, जो बचेगा वही बचत होगा। अक्सर आखिरी में कुछ भी नहीं बचता। सही तरीका यह है कि पहले बचत करें और फिर खर्च करें। अपने अकाउंट से वेतन मिलने के तुरंत बाद ही बचत या इन्वेस्टमेंट अकाउंट में कुछ पैसा डाल दें। यदि आप अपनी इनकम का 10%-15% नियमित रूप से बचाते हैं, तो समय के साथ यह एक बड़ा फंड बन जाएगा। जितनी जल्दी आप शुरू करेंगे, उतना ही आसान आपका भविष्य होगा। इसलिए शुरआत से ही बचत पर ध्यान दें।

बीमा व आपातकालीन योजना

कई लोग सोचते हैं कि जीवन बीमा या स्वास्थ्य बीमा लेना बाद में भी किया जा सकता है, लेकिन एक छोटा अस्पताल का बिल या अचानक हादसा आपकी सारी बचत मिटा सकता है। जीवन बीमा आपके परिवार की सुरक्षा करता है और स्वास्थ्य बीमा अस्पताल के खर्चों से बचाता है। यह छोटे-छोटे मंथली प्रीमियम आपके भविष्य की सुरक्षा में बहुत मदद करते हैं।

अपनी वित्तीय स्थिति की समीक्षा जरूर करें

पैसे की आदतों को केवल सही तरीके से खर्च और बचत करने की जरूरत नहीं होती, बल्कि इन्हें समय-समय पर देखना भी जरूरी है। हर महीने कुछ घंटे अपने बैंक स्टेटमेंट, बीमा और निवेश की समीक्षा में बिताएं। इससे आप फालतू खर्च पकड़ पाएंगे, अपने लक्ष्यों को सही दिशा में रख पाएंगे और अपने वित्तीय भविष्य पर भरोसा कर पाएंगे। आपके रोजमर्रा के फैसले आपके पैसे और भविष्य को प्रभावित करते हैं। कुछ छोटी-छोटी गलत आदतें धीरे-धीरे आपकी जेब खाली कर देती हैं, जबकि सही आदतें आपके भविष्य को मजबूत और सुरक्षित बनाती हैं। इससे आपको पैसे संबंधी परकशानी होगी और आपका निवेश भी बढ़ता जाएगा। इसलिए निवेश पर जरूर फोकस करें।

क्रेडिट कार्ड का गलत इस्तेमाल

क्रेडिट कार्ड से खरीदारी करना आसान होता है, इसलिए हम छोटे खर्च भी कार्ड से कर लेते हैं। इससे खर्च का एहसास कम होता है। सही तरीका यह है कि क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल केवल जरूरी और योजना बनाकर करें और हर महीने पूरा बिल चुका दें। इससे आप बिना कर्ज के शांति महसूस करेंगे और फालतू ब्याज नहीं चुकाएंगे। अगर क्रेडिट कार्ड के बिन का समय पर भुगतान नहीं कर पाएं तो भारी भरकम ब्याज आपके बजट को बिगाड़ सकता है। इसलिए क्रेडिट कार्ड के खर्च पर ध्यान रखना बेहद जरूरी होता है।

यह रखें ध्यान

किसी पर परिस्थिति में दूसरे की चीजों देखकर रीस न करें। अपना बजट बनाकर चलेंगे तो हमेशा खुश और आर्थिक रूप से मजबूत रहेंगे। बाजार में जाएं तो ऑफर्स को देखकर चीजें न खरीदें अपनी जरूरत के हिसाब से खरीदे। इससे आप गैरजरूरी खर्चों से मुक्ति पा लेंगे और आपकी बचत भी बढ़िया होगी।

खबर संक्षेप

ग्रामीण अंचलीय पत्रकार एसो. के प्रधान बने अजमेर सिंह

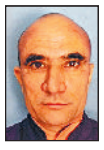

महम। वरिष्ठ पत्रकार अजमेर सिंह गोयत को ग्रामीण अंचलीय पत्रकार एसोसिएशन का जिला प्रधान नियुक्त किया गया है। अपनी नियुक्ति पर उन्होंने एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल चौधरी, राष्ट्रीय महासचिव हरेंद्र चौधरी, मेरठ जिला महामंत्री शिव कुमार और प्रदेश अध्यक्ष राज कुमार नरवाल का आभार जताया है। अजमेर गोयत ने कहा है कि वे ईमानदारी, निष्ठा और लग्न के साथ अपनी जिम्मेवारी का निर्वहन करेंगे। कहा कि जल्द ही जिला कार्यकारिणी का विस्तार किया जाएगा।

प्रेमचंद की कहानियों ने रंगमंच पर रचा जादू

रोहतक। दादा लख्मी चंद राज्य प्रदर्शन एवं दृश्य कला विश्वविद्यालय (डीएलसी सुपवा) के फिल्म एवं टेलीविजन संकाय के मिनी ऑडिटोरियम में अभिनय विभाग द्वारा साहित्य, संवेदना और रंगमंच का अद्भुत संगम प्रस्तुत किया गया। अभिनय विभाग की फ़ाउंडेशन बैच के विद्यार्थियों ने मुंशी प्रेमचंद की तीन कालजयी कहानियों पंच परमेश्वर सवा सेर गेहूँ और घासवाली पर आधारित एक मनमोहक कथा-कोलाज मंचित किया। यह प्रस्तुति छात्रों के जूरी मूल्यांकन का अहम हिस्सा थी, जिसे दर्शकों, संकाय सदस्यों और विशेषज्ञों से भरपूर सराहना मिली। अभिनय विभाग के प्राध्यापक विभांशु और केशव के मार्गदर्शन में तैयार इस प्रस्तुति ने प्रेमचंद के साहित्य की संवेदनशीलता, सामाजिक यथार्थ और मानवीय मूल्यों को सजीव रूप में अभिव्यक्त किया।

रक्तदान से बढ़ती है मानवता: डॉ. जयपाल

रोहतक। आपके साथ एक नई शुरुआत संस्था एवं एचडीएफसी बैंक द्वारा आपातकालीन रक्तदान पैनल के सहयोग से स्वैच्छिक रक्तदान उत्सव का आयोजन कॉस्मोडेटेज डेंटल क्लीनिक, सोनीपत रोड, रोहतक में श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम महामंडलेश्वर नितिन गिरी, माता मंदिर महंत थानेश्वर दास एवं ओशो विचारक स्वामी गोविंद करतार के पावन सान्निध्य में सम्पन्न हुआ।

आर्य स्कूल मदीना में लगाई पुस्तक प्रदर्शनी

महम। शनिवार को आर्य वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय मदीना में पुस्तक प्रदर्शनी लगाई गई। इस प्रदर्शन का विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों ने अवलोकन किया। प्रदर्शनी में विभिन्न प्रकार की पुस्तकों जैसे कहानियां, मौलिक शिक्षा, प्रेरणादायक उपन्यास आदि को सम्मिलित किया गया। पुस्तक प्रदर्शनी के माध्यम से विद्यार्थियों को साहित्यिक, शैक्षिक, धार्मिक और प्रतियोगी परीक्षाओ से सम्बंधित पुस्तकें देखने और खरीदने का अवसर मिला।

पढ़े रोहतक-लिखे रोहतक कार्यक्रम में पहली से 5वीं कक्षा तक के बच्चे होंगे दक्ष

प्राथमिक शिक्षा में रोहतक को मार्च 2026 तक बनाया जाएगा निपुण जिला : उपायुक्त

- जिला प्रशासन की इस पहल की प्रदेशभर में हो रही सराहना
- कार्यक्रम के विभिन्न बिंदुओं को प्रदेश के अन्य जिलों ने भी अपनाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

प्राथमिक शिक्षा में सकारात्मक बदलाव लाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने पढ़े रोहतक-लिखे रोहतक कार्यक्रम की शुरुआत की है। उन्होंने कहा कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य पहली से पांचवीं कक्षा तक के सभी बच्चों को उनकी उम्र के अनुसार पढ़ने, लिखने और बुनियादी गणित कौशल हासिल करने के लिए तैयार किया जाएगा। जिला प्रशासन यह कार्यक्रम निपुण हरियाणा मिशन के साथ मिलकर चल रहा है।

उपायुक्त सचिन गुप्ता ने बताया कि पढ़े रोहतक-लिखे रोहतक कार्यक्रम के माध्यम से मार्च 2026 तक रोहतक को 100 प्रतिशत निपुण जिला बनना है। उन्होंने कहा कि आधारभूत साक्षरता और गणित कौशल ही बच्चों की शिक्षा नींव को मजबूत बना सकता है। उन्होंने कहा कि जिला को 100 प्रतिशत निपुण बनाने के लिए प्रशासन लगातार प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि प्रशासन की यह पहल निश्चित रूप से शिक्षा सुधार के क्षेत्र में एक रोल मॉडल बनेगी।

उपायुक्त सचिन गुप्ता ने कहा कि जुलाई 2025 में शुरू किए गए इस अभियान के तहत विद्यालयों में पढ़ाई को अधिक व्यवस्थित, परिणाम-आधारित और बच्चों के अनुकूल बनाया गया है। इसके साथ ही शिक्षकों, अभिभावकों और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित किया गया है। उन्होंने कहा कि प्राथमिक समीक्षा में यह पाया गया कि कई बच्चे वांछित ज्ञान के बिना ही अगली कक्षाओं में पहुँच रहे थे। इसी चुनौती को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन ने मिशन मोड में यह कार्यक्रम शुरू किया।

कार्यक्रम के प्रमुख घटक

सचिन गुप्ता ने कहा कि जीरो पीरियड के तहत सभी सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में प्रतिदिन 40 मिनट का विशेष जीरो पीरियड लागू किया गया है, जिसमें बच्चों को पढ़ने और गणित की बुनियादी समझ पर विशेष ध्यान दिया जाता है। उन्होंने कहा कि डिजिटल स्किल पासबुक के तहत हर बच्चे की प्रगति को डिजिटल माध्यम से नियमित रूप से दर्ज किया जा रहा है, जिससे समय पर सुधार और मार्गदर्शन संभव हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि निपुण वाटिका एवं उन्नत आंगनवाड़ी के तहत विद्यालयों में निपुण वाटिकाएं विकसित की गई हैं तथा 50 आंगनवाड़ियों को बच्चों की प्रारंभिक तैयारी के लिए उन्नत किया गया है। अभिभावकों को बच्चों की पढ़ाई से जोड़ने के लिए मदर-टीचर सर्कल बनाए गए हैं, जिनसे घर और स्कूल के बीच बेहतर तालमेल स्थापित हुआ है।

सकारात्मक परिणाम

सचिन गुप्ता ने कहा कि कार्यक्रम के चलते पठन दक्षता 28 प्रतिशत से बढ़कर 64 प्रतिशत और घटाव दक्षता 44 प्रतिशत से बढ़कर 78 प्रतिशत हो गई है। सभी प्राथमिक विद्यालयों में जीरो पीरियड सफलतापूर्वक लागू किया गया है। इस पहल की राज्य स्तर पर सराहना की गई है और इसके कई घटकों को हरियाणा के अन्य जिलों में भी अपनाया गया है।

सुदामा चरित्र और परीक्षित मोक्ष प्रसंगों का वर्णन किया

- सुदामा जितेंद्रिय एवं भगवान कृष्ण के परम मित्र थे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

भक्ति धारा गौ सेवा ट्रस्ट द्वारा श्रीमद भागवत कथा के विश्राम दिवस की कथा नेताजी सुभाष पार्क सुभाष नगर में आयोजित हुई। गौकर्ण पीठाधीश्वर स्वामी कपिल पुरी महाराज, महंत हरपाल दास महाराज एवं आचार्य धर्मवीर प्रसाद वेदपाठी के सानिध्य में हरियाणा रोडवेज महाप्रबंधक विपिन कुमार , चांसलर संस्कारम यूनिवर्सिटी, महिपाल यादव , राजेंद्र बंसल, जयंत कुमार उद्योगपति, मनोज मंगला उद्योगपति, सतीश गोयल, वाइस चेयरमैन मार्केट कमेटी, डॉ पवन शर्मा, रेनू डाबला, प्रवीण कौशिक पार्षद, नरेंद्र कौशिक पूर्व पार्षद, नितिन जैन जिला महामंत्री भाजपा, विजय बावा व्यापारी नेता, नौरातामल भटनागर, अमित जैन जोजी, भाजपा एवं अमित पालीवाल ने व्यास पीठ का पूजन एवं आरती की।

आचार्य देव कृष्ण शौनक ने सुदामा चरित्र और परीक्षित मोक्ष आदि प्रसंगों का सुंदर वर्णन किया। सुदामा जितेंद्रिय एवं भगवान कृष्ण के परम मित्र थे। भिक्षा मांगकर अपने परिवार का पालन पोषण करते। गरीबी के बावजूद भी हमेशा भगवान के ध्यान में मग्न रहते। पत्नी सुशीला सुदामा से बार-बार आग्रह करती कि आपके मित्र तो द्वारकाधीश है। उनसे जाकर मिलो शायद वह हमारी मदद कर दें। सुदामा पत्नी के कहने पर द्वारका पहुंचते हैं और जब द्वारपाल भगवान कृष्ण को बताते हैं कि सुदामा आया है। कृष्ण यह सुनकर नंगे पैर दौड़कर आते हैं और अपने मित्र को गले से लगा लेते। उनकी दीन दशा देखकर कृष्ण के आंखों से अश्रुओं की धारा प्रवाहित होने लगती है। सुदामा को सिंहासन पर बैठाकर कृष्ण सुदामा के चरण धोते हैं। सभी पटरानियां सुदामा से आशीर्वाद लेती हैं। सुदामा विदा लेकर अपने स्थान लौटते हैं तो भगवान कृष्ण की कृपा से अपने यहां महल बना पाते हैं लेकिन सुदामा अपनी फूंस की बनी कुटिया में रहकर भगवान का सुमिरन करते हैं। इसलिए कहा गया है कि जब जब भक्तों पर विपदा आई है प्रभु उनका तारण करने जरुर आए हैं। अगले प्रसंग में शुक्रदेव ने राजा परीक्षित को सात दिन तक श्रीमद्भागवत कथा सुनाई, जिससे उनके मन से मृत्यु का भय निकल गया। तक्षक नाग आता है और राजा परीक्षित को डस लेता है। राजा परीक्षित कथा श्रवण करने के कारण भगवान के परमधाम को पहुंचते हैं। कथा में सहयोग देने वाली संस्थाओं एस एन जन वेलफेयर सोसाइटी, रेजिडेंट वेलफेयर सोसाइटी, युवा समिति, सती भाई साईं दास सेवा दल, बाल गोपाल युवा समिति के कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया।

दि आर्यन पब्लिक स्कूल में वार्षिक खेलकूद समारोह का भव्य समापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

लाखन माजरा स्थित दि आर्यन पब्लिक स्कूल में वार्षिक खेलकूद एवं सांस्कृतिक समारोह का भव्य समापन उत्साह और उमंग के साथ संपन्न हुआ। समापन दिवस पर आयोजित फाइनल खेल प्रतियोगिताओं और रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया। खेलकूद प्रतियोगिताओं में हर्डल्स व रिले रेस, ऑब्सटेकल रेस तथा अभिभावकों और दादा-दादी के लिए आयोजित विशेष रेस मुख्य आकर्षण रहीं। इन प्रतियोगिताओं में सभी प्रतिभागियों ने पूरे जोश के साथ भाग लिया।

खेल छात्रों के जीवन को देता है नई दिशा

सांस्कृतिक कार्यक्रमों में विद्यार्थियों ने राजस्थानी, हरियाणवी और पंजाबी लोकनृत्य प्रस्तुत किए, वहीं कव्वाली ने दर्शकों की विशेष सराहना बटोरी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वीरेंद्र सिंह नारा, सेवानिवृत्त उप निदेशक गुरुग्राम रहे। उन्होंने विद्यालय की अनुशासन व्यवस्था, विद्यार्थियों की प्रतिभा, भोजन एवं अभिभावकों के लिए की गई व्यवस्थाओं की प्रशंसा की। अपने संबोधन में उन्होंने एक प्रेरक प्रसंग साझा करते हुए बताया कि खेल प्रतियोगिताएं किस प्रकार विद्यार्थियों के जीवन को नई दिशा दे सकती हैं। समारोह की शुरुआत ध्वजारोहण और मार्च-पास्ट से हुई तथा समापन आर्यन गीत के साथ हुआ। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन, विशिष्ट अतिथि और गेस्ट ऑफ ऑनर की गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

एनएचएम कर्मियों की समस्याओं का होगा समाधान

- शमशेर खरक ने मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री से शीघ्र मुलाकात का दिया भरोसा : हरि राज

रोहतक। अपनी मांगों के लिए भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मीडिया सह–प्रभारी शमशेर सिंह खरक को ज्ञापन देते राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) कर्मचारी संघ हरियाणा का प्रतिनिधिमंडल।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) कर्मचारी संघ हरियाणा के प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय मंगलकमल में प्रदेश अध्यक्ष हरि राज के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश मीडिया सह-प्रभारी शमशेर सिंह खरक से भेंट कर मुख्यमंत्री के नाम कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं से संबंधित ज्ञापन सौंपा।

प्रतिनिधिमंडल से बातचीत करते हुए शमशेर सिंह खरक ने भरोसा दिलाया कि आपकी उचित मांगो पर सहानुभूति पूर्वक विचार करने के लिए मुख्यमंत्री व स्वास्थ मंत्री को भेज दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार कर्मचारियों की समस्याओं के प्रति पूरी तरह संवेदनशील है। उन्होंने आश्वस्त किया कि एनएचएम कर्मचारियों की मांगों व समस्याओं के समाधान के लिए शीघ्र ही मुख्यमंत्री हरियाणा या स्वास्थ्य मंत्री से प्रतिनिधिमंडल की मुलाकात करवाने का हर संभव प्रयास किया जाएगा। हरि राज ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ माने जाने वाले एनएचएम कर्मचारियों के हितों की रक्षा करना सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए और उनकी जायज मांगों पर सकारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। इस अवसर पर एनएचएम कर्मचारी संघ हरियाणा के प्रदेश उपाध्यक्ष कप्तान राणा, प्रदेश महासचिव डॉ. अरुण कुमार, खजांची शमशेर, डॉ. अंकित फौगाट, डॉ. अश्वनी चहल एवं डॉ. नवीन भी उपस्थित रहे।

समर्थ गुरुधाम में ध्याणाचार्य कोर्स 2026 में शिक्षक बनेंगे ध्यान प्रशिक्षक: सिद्धार्थ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

समर्थगुरुधाम मुरथल स्थित भारतीय योग एवं प्रबंधन संस्थान इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ योगा एंड मैनेजमेंट द्वारा वर्ष 2026 में ध्याणाचार्य कोर्स का आयोजन किया जा रहा है। यह कोर्स समर्थगुरु सिद्धार्थ औलिया के मार्गदर्शन में संचालित होगा, जिसका उद्देश्य शिक्षकों को विद्यालयों में ध्यान साधना का वैज्ञानिक एवं व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना है। कोर्स के अंतर्गत प्रतिभागियों को कुंडलिनी जागरण, सिद्ध योग तथा दीर्घायु एवं स्वस्थ जीवन के प्रभावी सूत्रों का प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे शिक्षक स्वयं में संतुलन विकसित कर विद्यार्थियों में भी एकाग्रता और मानसिक शांति का संचार कर सकें। इस अवसर पर डेस्टिनेशन कोऑर्डिनेटर एवं आचार्य गगन ने जानकारी देते हुए बताया कि यह कोर्स शिक्षा जगत में योग और ध्यान आधारित जीवन मूल्यों को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

स्वामी नितानन्द स्कूल में मनाया खेल दिवस

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

स्वामी नितानन्द स्कूल में 13 दिसंबर को वार्षिक खेल दिवस बड़े ही उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। विद्यालय का खेल मैदान पूरे दिन जोश, जुनून और खेल भावना से सराबोर नजर आया। कार्यक्रम की शुरुआत रंगारंग डांस प्रस्तुति तथा सभी हाउस कैप्टनों द्वारा अनुशासित मार्च-पास्ट के साथ हुई। खेल प्रतियोगिताओं में प्राइमरी, मिडिल और सीनियर वर्ग के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। खेल इंचार्ज अशोक मलिक, संदीप अहलावत, मोहित और अमित के मार्गदर्शन में छात्रों के लिए 100 मीटर, 200 मीटर व 400 मीटर दौड़, रिले रेस, कबड्डी, लॉन्ग जंप, शॉट पुट, स्किपिंग रेस, बॉल बॉक्स, टंग ऑफ बार, लेमन रेस और खो-खो जैसी अनेक प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। छोटे बच्चों की लेमन रेस और बॉल बास्केट प्रतियोगिता ने दर्शकों का मन मोह लिया, वहीं सीनियर वर्ग की 400 मीटर दौड़, कबड्डी और खो-खो प्रतियोगिताएं बेहद रोमांचक रहीं। उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर बालक वर्ग में आर्यन और बालिका वर्ग में दीया को बेस्ट एथलीट का खिताब प्रदान किया गया। इस अवसर पर स्कूल चेयरमैन सुमीत मलिक, उप-प्रधानाचार्य अन्नू धनखड़, एडमिनिस्ट्रेटर छवि अरोड़ा, मोनिका सिंह, अशोक मलिक एवं विद्यालय के समस्त स्टाफ ने सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को बधाई दी। विजेता खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र व पदक देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

सैनी कॉलेज ने रेसलिंग में जीते दो रजत और एक कांस्य पदक

रोहतक। एमडीयू के स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में आयोजित 7 से 9 दिसंबर तक इंटर कॉलेज रैसलिंग (पुरूष वर्ग) टूर्नामेंट में सैनी कॉलेज के खिलाड़ियों ने रजत व कांस्य पदक प्राप्त किया कॉलेज के बीए द्वितीय वर्ष के आदित्य ने फ्री स्टाइल में और ग्रीको रोमन में (दोनों में) रजत पदक प्राप्त किया और शेखर (बीए द्वितीय वर्ष) ग्रीको रोमन में कांस्य पदक प्राप्त किया। इस अवसर पर खिलाड़ियों के कॉलेज पहुंचने पर कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर भीम सिंह पवार द्वारा भव्य स्वागत किया गया और बताया कि विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ खेलों पर भी ध्यान देना चाहि। यदि आज का युवा वर्ग पढ़ाई के साथ-साथ खेलों पर भी ध्यान देगा तो आगे चलकर वह अपने राज्य का ही नहीं अपितु देश का प्रतिनिधित्व भी कर सकता है। इस आधार पर देश का भविष्य खेलों की दृष्टिकोण से सुनहरा रहेगा और विश्व के खेल मानचित्र पर देश गौरान्वित होगा। इसके अलावा पंवार जी ने कहा कि यदि कोई विद्यार्थी जिसमें खेलों के प्रति रूचि हो और वह खेलों में कुछ करके दिखा सकता है तो कॉलेज उसके साथ तन-मन-धन से खड़ा है।

सूचना

मैं, सतपाल पुत्र श्री धारा सिंह निवासी राम नगर कालोनी, गोहाना रोड, रोहतक बयान करता हूं कि मेरा पुत्र अजय व पुत्रवधु शीतल मेरे कहने-सुनने से बाहर हैं। इसलिये मैं इनको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। इनसे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

बाबा मस्तनाथ विवि में भारतीय भाषा परिवार पर संगोष्ठी का आयोजन

नई शिक्षा नीति का उद्देश्य सभी भाषाओं को समान महत्व देना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय तथा भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के संयुक्त तत्त्वावधान में "भारतीय भाषा परिवार : भारतीय ज्ञान परंपरा के विविध आयाम" विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का सफल आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी का उद्देश्य भारतीय भाषाओं की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, उनके आपसी संबंध, सांस्कृतिक महत्व तथा भारतीय ज्ञान परंपरा की वर्तमान समय में प्रासंगिकता पर सार्थक और गहन विमर्श करना था। कार्यक्रम का मंच संचालन डॉक्टर सुमन राठी ने किया।

रोहतक। आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते कुलपति डॉ. बीएम यादव।

कार्यक्रम का शुभारंभ लोकल कोऑर्डिनेटर डॉ. जगदीश भारद्वाज के स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने अतिथियों का अभिनंदन करते हुए संगोष्ठी के उद्देश्य और महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारतीय भाषाएं केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, परंपरा और ज्ञान की संवाहक हैं, जिनका संरक्षण और संवर्धन समय की आवश्यकता है। संगोष्ठी के मुख्य सत्र में बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बीएम यादव ने भारतीय ज्ञान परंपरा की प्रासंगिकता पर विस्तार से अपने विचार रखे। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा हजारों वर्षों से समाज को दिशा देती आ रही है। वेद, उपनिषद, पुराण, दर्शन, आयुर्वेद, गणित, खगोल विज्ञान और भाषाशास्त्र जैसे क्षेत्रों में निहित ज्ञान आज भी मानव जीवन के लिए उतना ही उपयोगी है। डॉ. यादव ने विश्वविद्यालयों की भूमिका पर जोर देते हुए कहा कि उच्च शिक्षण संस्थानों की जिम्मेदारी है कि वे इस ज्ञान को केवल संरक्षित न रखें, बल्कि शोध, नवाचार और आधुनिक संदर्भों के साथ इसे नई पीढ़ी तक सरल और व्यावहारिक रूप में पहुंचाएं। भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के शैक्षिक सलाहकार डॉ. पुरनेंदु बिकाश देबनाथ ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में भारतीय भाषाओं की भूमिका पर विचार रखे।

भारतीय ज्ञान परंपरा आवश्यक

प्रोफेसर बाबू राम ने विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रमों में भारतीय ज्ञान परंपरा के समावेशन की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि आज जिन अवधारणाओं को हम आधुनिक मानते हैं, उनके मूल तत्व प्राचीन भारतीय ग्रंथों में पहले से उपलब्ध हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे वैश्विक ज्ञान के साथ-साथ अपनी सांस्कृतिक और बौद्धिक विरासत को भी समझें, क्योंकि संतुलित व्यक्तित्व निर्माण का आधार यही है।

TOP-IN-TOWN रोहतक बाजार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें: विज्ञापन विभाग, हरिभूमि कार्यालय, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
मो. 9996959400, 9996985800, 9996965600, 9996954600

मानसरोवर हॉस्पिटल
REQUIRES
- Nursing Staff 4
- ICU Staff 6
- PRO/Marketing Executive 6
- Ward Boy 2
- Computer Operator (Male) 2

नजदीक पी.एन.बी. बैंक, विकास नगर के सामने, सोनीपत रोड, रोहतक
Tel. :- +91-1262-253500 Mobile: 9254302848, 9053005599

श्री गणेशाय नमः
श्री बालाजी ज्योतिष केन्द्र
म.नं. 232, सेक्टर-14, हिसार मो. 85710-24131 87086-55938
प्यार मोहब्बत किया/कराया, जादु-टोना गुप्त दुश्मन, सौतन, नजर दोष, विदेश यात्रा, सास बहु/पति पत्नी में अनबन, पशुधन बर्बाद होना, कारोबार में बरकत ना होना, धन की बर्बादी, पढ़ाई में मन न लगना, विवाह में देरी, नौकरी में प्रमोशन
समस्या कैसी भी हो,
जड़ से होगी खत्म जब कभी भी ना बना हो काम तो होगा गारन्टीड समाधान
पं. तुषार शर्मा (गोल्ड मेडलिस्ट)
हर रोज मिलें सुबह 10:00 बजे से सायं 6:00 बजे तक

हाथों में दस्तावेज और आंखों में भारतीय सेना की वर्दी पहनने का सपना लेकर पहुंच रहे युवा

अग्निवीर भर्ती: रोहतक में युवाओं का उत्साह चरम पर, सैकड़ों ने दिखाई शारीरिक क्षमता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

सेक्टर-6 स्थित राजीव गांधी खेल परिसर में 10 दिसंबर से शुरू हुई अग्निवीर भर्ती युवाओं के लिए देशसेवा का सुनहरा अवसर बनकर सामने आई है। 15 दिसंबर तक चलने वाली इस भर्ती प्रक्रिया में हर दिन हजारों युवा पूरे जोश, अनुशासन और देशभक्ति की भावना के साथ भाग ले रहे हैं। भर्ती का आयोजन एआरओ के तत्वावधान में किया जा रहा है, जिसमें झज्जर, सोनीपत, पानीपत, रोहतक और अंबाला जोन के युवक हिस्सा ले रहे हैं। सुबह तड़के से ही खेल परिसर के बाहर युवाओं की लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं। हाथों में दस्तावेज, चेहरे पर उम्मीद और आंखों में भारतीय सेना की वर्दी पहनने का सपना हर युवा इस परीक्षा को अपने जीवन का अहम पड़ाव मान रहा है। भर्ती स्थल पर सुरक्षा, चिकित्सा और प्रशासनिक व्यवस्थाएं सुदृढ़ रखी गई हैं, ताकि प्रक्रिया पारदर्शी और सुचारु रूप से सम्पन्न हो सके।

शनिवार को रोहतक-सोनीपत जोन के युवाओं ने भाग लिया

शनिवार 13 दिसंबर को अग्निवीर भर्ती में जिला रोहतक और सोनीपत जोन के युवाओं ने भाग लिया। इस दिन कुल 473 युवकों का रजिस्ट्रेशन किया गया था। इनमें से 397 युवक भर्ती प्रक्रिया के लिए स्टेडियम में उपस्थित हुए, जो युवाओं की गंभीरता और उत्साह को दर्शाता है। शारीरिक दक्षता परीक्षा में युवाओं को दौड़, लंबी कूद, ऊंची कूद और अन्य मानकों पर परखा गया। कड़ी प्रतिस्पर्धा और निर्धारित मानकों के बावजूद 299 युवकों ने फिजिकल टेस्ट सफलतापूर्वक पास किया। यह आंकड़ा बताता है कि क्षेत्र के युवा न केवल मानसिक रूप से बल्कि शारीरिक रूप से भी सेना में जाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

कड़ी मेहनत और अनुशासन की परीक्षा

फिजिकल टेस्ट के दौरान युवाओं को निर्धारित समय सीमा में दौड़ पूरी करनी पड़ी। कई युवाओं के लिए यह पल बेहद चुनौतीपूर्ण था, लेकिन मैदान में उतरते ही भारत माता की जय और जो बोले सो निहाल के नारों ने माहौल को जोशीला बना दिया। अधिकारियों की सख्त निगरानी में पूरी प्रक्रिया निष्पक्ष ढंग से सम्पन्न की गई। भर्ती में भाग लेने आए युवाओं का कहना था कि उन्होंने महीनों पहले से इसकी तैयारी शुरू कर दी थी। रोजाना सुबह दौड़ लगाना, खानपान पर ध्यान देना और अनुशासन में रहना यह सब उनके जीवन का हिस्सा बन गया था। कुछ युवाओं के चेहरे पर थकान साफ नजर आ रही थी, लेकिन पास होने की खुशी ने सारी मेहनत सफल कर दी।

मेडिकल सहायता और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

एआरओ के अधिकारियों की देखरेख में भर्ती प्रक्रिया को पूरी पारदर्शिता के साथ सम्पन्न किया जा रहा है। मेडिकल सहायता, पीने के पानी, छाया और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि भर्ती के दौरान किसी भी तरह की अनुशासनहीनता या अव्यवस्था को बर्दाश्त नहीं किया जा रहा। प्रशासन की ओर से युवाओं को पहले ही आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए थे, जिससे किसी प्रकार की असुविधा न हो। भर्ती स्थल पर तैनात स्टाफ युवाओं को हर स्तर पर मार्गदर्शन करता नजर आया।

परिजनों में भी दिखा गर्व और उत्साह

स्टेडियम के बाहर युवाओं के साथ आए परिजन भी पूरे उत्साह में नजर आए। कई माता-पिता अपने बेटों को सेना में जाते देखने का सपना संजोए हुए थे। एक अभिभावक ने कहा कि अगर बेटा अग्निवीर बनता है तो यह पूरे परिवार के लिए गर्व की बात होगी। देश की सेवा से बड़ा कोई काम नहीं। कुछ युवाओं ने बताया कि उनके परिवार में पहले से ही सेना या अर्धसैनिक बलों में सदस्य रहे हैं, जिससे उन्हें भी प्रेरणा मिली। वहीं कई युवाओं के लिए यह पहला मौका है, जब वे सेना में जाने का सपना साकार करने की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं।

युवाओं के सपनों को मिल रही नई उड़ान

अग्निवीर योजना के तहत सेना में चयनित होना आज के युवाओं के लिए एक बड़ा अवसर माना जा रहा है। यह न केवल रोजगार का माध्यम है, बल्कि अनुशासन, आत्मविश्वास और देशसेवा का रास्ता भी खोलता है। 13 दिसंबर को फिजिकल पास करने वाले 299 युवाओं के लिए यह सफलता उनके भविष्य की दिशा तय करने वाला कदम साबित हो सकती है। यह उपलब्धि युवाओं को देश की सेवा में आगे बढ़ने और अपने कौशल को निखारने के लिए प्रेरित करेगी।

15 दिसंबर तक चलेगी भर्ती प्रक्रिया

राजीव गांधी खेल परिसर में अग्निवीर भर्ती 15 दिसंबर तक जारी रहेगी। आने वाले दिनों में अन्य जिलों और जोन के युवा भी अपनी किस्मत आजमाएंगे। उम्मीद की जा रही है कि भर्ती के अंतिम दिन तक हजारों युवा इस प्रक्रिया में भाग लेकर भारतीय सेना में शामिल होने के अपने सपने को साकार करने का प्रयास करेंगे। रोहतक में चल रही यह भर्ती न केवल युवाओं के आत्मविश्वास को मजबूत कर रही है, बल्कि पूरे क्षेत्र में देशभक्ति और अनुशासन की भावना को भी नई ऊर्जा दे रही है।

सालों से समस्या बरकरार, दुर्घटनाओं की आशंका

बोहर गांव के पास ओवरफ्लो नाले ने बढ़ाई मुश्किलें

रोहतक। पानी में से जाते ।

रोहतक। घायल राहगीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

सोनीपत रोड पर बोहर गांव के समीप वाल्मीकि शमशान घाट के पास मुख्य मार्ग इन दिनों गंदे नाले के पानी से घिरा हुआ है। नाले का पानी लगातार सड़क पर फैलने से यहां जलभराव बना हुआ है, जिससे यह व्यस्त मार्ग अब खतरे का कारण बनता जा रहा है। दूषित पानी और फिसलन के चलते शनिवार को एक बाइक सवार संतुलन खो बैठा और सड़क पर गिरकर घायल हो गया। उसके पैर में चोट आई, जिसके बाद राहगीरों की मदद से उसे पीजीआई रोहतक पहुंचाया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि यह समस्या अचानक नहीं, बल्कि पिछले करीब छह माह से लगातार बनी हुई है। नाले की निकासी सही न होने के कारण गंदा पानी सड़क पर बहने लगता है और कुछ ही समय में पूरा हिस्सा तालाब जैसा बन जाता है। बारिश के समय स्थिति और गंभीर हो जाती है, क्योंकि पानी के नीचे सड़क की खराब हालत और गड्ढे नजर नहीं आते। ऐसे में दोपहिया वाहन चालक सबसे अधिक जोखिम में रहते हैं। यह मार्ग क्षेत्र के लिए बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है, क्योंकि यही सड़क खरखोदा के रास्ते सोनीपत और आगे मेरठ, उत्तर प्रदेश तक जाती है। जलभराव के कारण वाहन चालकों को बार-बार ब्रेक लगाने पड़ते हैं, जिससे दुर्घटना की संभावना बढ़ जाती है और यातायात भी प्रभावित होता है। कई बार यहां जाम की स्थिति बन जाती है, जिससे लोगों को घंटों तक फंसे रहना पड़ता है।

स्थानीय लोग परेशान

सड़क के दोनों ओर बने आवासों में रहने वाले लोग भी इस हालात से परेशान हैं। नाले के दूषित पानी से लगातार बदबू फैल रही है और मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है। लोगों का कहना है कि घरों के बाहर पानी भरा रहने से बच्चों और बुजुर्गों को निकलने में दिक्कत होती है। स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का खतरा भी लगातार बना हुआ है। नगर निगम की टीम इस स्थान का निरीक्षण कर चुकी है और समस्या को देखा भी गया है, लेकिन इसके बावजूद कोई स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। केवल अस्थायी उपाय किए जाते हैं, जिससे कुछ समय बाद हालात फिर वही हो जाते हैं।

महम। एनएसएस कैंप के समापन समारोह में उपस्थित एमडीएस स्कूल के स्वयंसेवक। फोटो : हरभूमि

एमडीएस स्कूल मदीना के एनएसएस स्वयंसेवकों ने समाज सेवा करना सीखा

महम। एमडीएस पब्लिक स्कूल मदीना में सात दिवसीय एनएसएस शिविर लगाया गया। शनिवार को शिविर का समापन किया गया। समापन समारोह उत्साह और उमंग के साथ सम्पन्न हुआ। इस दौरान स्वयंसेवकों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। समापन समारोह की शुरुआत सरस्वती वंदना एवं स्वागत भाषण के साथ हुई। शिक्षाविद् मनोज अहलावत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। स्कूल के चेयरमैन जितेंद्र दांगी ने बताया कि एनएसएस कैंप के दौरान बच्चों ने बहुत परिश्रम किया। इस शिविर के जरिए स्वयंसेवकों को बहुत कुछ सीखने का मौका मिला। रोजाना किसी न किसी क्षेत्र के विशेषज्ञ मेहमान को कैंप में आमंत्रित किया गया। शिविर के दौरान स्वयंसेवकों ने योग अभ्यास, ध्यान, डिजिटल साक्षरता, स्वच्छता व पोस्टर निर्माण करना सीखा। स्वयंसेवकों ने गांवों में सामाजिक जागरूकता रैलियां निकाली तथा अन्य सामुदायिक गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया। समापन समारोह में मनोज अहलावत ने छात्रों द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि एनएसएस युवाओं में अनुशासन, सेवा, नेतृत्व और सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करता है। शिविर प्रभारी ने सप्ताह भर की गतिविधियों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया तथा स्वयंसेवकों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। विद्यालय प्राचार्य ने स्वयंसेवकों के उत्साह की प्रशंसा की और भविष्य में भी समाज सेवा के कार्यों में निरंतर भागीदारी का आह्वान किया। समारोह का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

हरियाणा रोडवेज तालमेल कमेटी की बैठक, मांगों को लेकर चर्चा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

हरियाणा रोडवेज कर्मचारी तालमेल कमेटी की एक महत्वपूर्ण बैठक रोहतक डिपो में आयोजित की गई। बैठक में तालमेल कमेटी से जुड़ी सभी यूनियनों के डिपो प्रधानों ने भाग लिया। इनमें सुमेश कुंडू, सुरेश नेहरा, संदीप सिंघवा, मनजीत कारौर, राजेश मायना, मनोज धनखड़, संदीप खोखर और जोगेंद्र ढुल शामिल रहे। राज्य कमेटी की ओर से जय भगवान कादयान, जगदीप लाठर और अमित महराना विशेष रूप से मौजूद रहे। बैठक में कर्मचारियों की लंबे समय से लंबित मांगों और समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। कर्मचारी नेताओं ने बताया कि रोहतक डिपो में वर्ष 2008 में नियुक्त परिचालकों का डेढ़ साल से द्वितीय एसीपी लंबित है। इसके अलावा परिचालकों को खुले पैसे की सुविधा न मिलना, चालक-परिचालकों के लिए लॉकर की व्यवस्था न होना, आरडीटी की प्राइवेट बसों का अवैध रूप से बूथ पर एक-एक घंटे तक खड़ा रहना, जैसी समस्याएं शामिल हैं।

आरोप लगाया

आरोप लगाया गया कि इसके उलट महाप्रबंधक द्वारा कर्मचारी नेताओं का उत्पीड़न किया जा रहा है। इसी कड़ी में राज्य प्रधान जय भगवान कादयान की 23 जनवरी तक स्वीकृत अर्जित अवकाश को 12 दिसंबर को ही रद्द कर दिया गया।

'संशय से ज्ञान की ओर' का सशक्त मंचन किया प्रस्तुत

- स्कॉलर्स रोजरी स्कूल में वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह का भव्य आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

स्कॉलर्स रोजरी सीनियर सेकेंडरी स्कूल में कक्षा आठवीं से दसवीं तक के विद्यार्थियों का वार्षिकोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह अत्यंत गरिमामय और प्रेरणादायक वातावरण में आयोजित किया गया। इस वर्ष के वार्षिकोत्सव का विषय भगवद् गीता के अध्याय: संशय से ज्ञान की ओर भाग एक" रखा गया, जिसने पूरे कार्यक्रम को आध्यात्मिक और बौद्धिक ऊंचाइयों तक पहुंचाया। इस अवसर पर भगवद् गीता पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ-साथ साहित्य उत्सव का भी आयोजन किया गया। इस गरिमामय समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में सचिन गुप्ता आईएएस तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में दुष्यंत प्रताप सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों, विद्यालय की प्रधानाचार्या प्रीति गुगनानी एवं विद्यालय के निदेशक रविंद्र गुगनानी द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। कार्यक्रम के दौरान आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में विद्यार्थियों को बेस्ट इन सब्जेक्ट, एक्सीलेंस इन एकेडमिक्स, जनरल प्रोफिशिएंसी, क्लास टॉपर, एक्सीलेंस इन स्पोर्ट्स, एक्सीलेंस इन आर्ट एंड कल्चर, बेस्ट ड्रैमेटिक परफॉर्मेंस, स्टेज एंकर्स, ग्राफिक्स एक्सीलेंस, स्टार अचीवर्स, को-करिकुलर एक्टिविटीज, स्पेशल रिकॉग्निशन तथा शत-प्रतिशत उपस्थिति जैसी विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथियों ने साहित्य उत्सव का अवलोकन करते हुए विद्यार्थियों की रचनात्मक प्रतिभा की सराहना की। प्रधानाचार्या प्रीति गुगनानी ने भगवद् गीता में निहित शाश्वत मूल्यों और उनकी वर्तमान समय में प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंत में अतिथियों एवं अभिभावकों के प्रति आभार व्यक्त किया गया तथा विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई दी।

कांग्रेस के झूठ को जन- जन तक पहुंचाएंगे : फणीन्द्रनाथ

- भाजपा प्रदेश कार्यालय में कार्यकर्ताओं की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

रोहतक। मीटिंग के दौरान संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा और प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश नांदल व अन्य पदाधिकारी। फोटो : हरभूमि

लोकसभा में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा कांग्रेस के झूठ और भ्रम की राजनीति को तथ्यों के साथ उजागर किए जाने के बाद हरियाणा भाजपा ने इसे जन-जन तक पहुंचाने के लिए व्यापक रणनीति पर काम शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में शनिवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय "मंगल कमल" में भाजपा की प्रदेश मीडिया टीम और प्रदेश पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के लोकसभा भाषण के प्रमुख अंश स्क्रीन पर दिखाए गए। प्रदेश मीडिया प्रभारी अरविंद सैनी ने सभी प्रवक्ताओं एवं पदाधिकारियों के समक्ष आगे की कार्य योजना प्रस्तुत की। संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा और प्रदेश उपाध्यक्ष सतीश नांदल ने एसआईआर और ईवीएम के मुद्दे पर कांग्रेस द्वारा फैलाए जा रहे झूठ को उजागर करने का आह्वान किया।

ये रहे मौजूद

बैठक में प्रदेश मीडिया सह प्रभारी शमशेर सिंह खरक, प्रदेश सचिव रेनू डावला, प्रदेश प्रवक्ता प्रदीप अहलावत, यशपाल बत्रा, बिजेंद्र नेहरा, वीरेंद्र चौहान, नेहा धवन, राजबीर रोहिल्ला, डॉ किरण कलकल, एडवोकेट शंकर धूपड़, एडवोकेट राजकुमार कटारिया, राजबाला, प्रियदर्शिनी, नरेंद्र वत्स, रामराजी शर्मा, रविन्द्र सांगवान, एडवोकेट राज रमन दीक्षित, नागेंद्र शर्मा, मुकेश कापड़ीवास, संदीप हिंदुस्तानी, डॉ अशोक रंगा, हरिओम मित्तल भाली, प्रो. सुभाष सपरा, जिला महामंत्री नितिन जैन जिला मीडिया प्रभारी पंकज भारद्वाज आदि प्रमुख पदाधिकारी मौजूद रहे।

एमडीयू महिला वॉलीबॉल टीम ने ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी टूर्नामेंट के लिए किया क्वालीफाई

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय (एमडीयू), रोहतक की महिला वॉलीबॉल टीम ने उत्कृष्ट खेल कौशल और दमदार प्रदर्शन का परिचय देते हुए ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी वॉलीबॉल टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई कर विश्वविद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। एमडीयू की टीम ने गुरु नानक देव विश्वविद्यालय (जीएनडीयू), अमृतसर की सशक्त टीम को हराते हुए ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी वॉलीबॉल टूर्नामेंट के लिए क्वालिफाई किया। इस मैच के दौरान एमडीयू रोहतक की खिलाड़ियों ने शुरू से ही खेल पर नियंत्रण बनाए रखा और जीएनडीयू अमृतसर को 25-14, 25-23 और 25-19 के स्कोर से पराजित कर शानदार जीत दर्ज की। आक्रामक सर्विस, सटीक स्मैश और मजबूत डिफेंस के दम पर एमडीयू की टीम ने हर सेट में अपनी बढ़त बनाए रखी। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर विश्वविद्यालय की निदेशक खेल डॉ. शकुंतला बेनीवाल ने महिला वॉलीबॉल टीम को हार्दिक बधाई दी।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

रोहतक। मीटिंग को सम्बोधित करते मीडिया प्रभारी एडवोकेट कृष्ण कौशिक।

भाजपा ने झूठ बोलकर सता की हासिल, हर वर्ग सरकार से परेशान : इन्द्र सिंह ढुल

रोहतक। इंडियन नेशनल लोकदल पार्टी की महत्वपूर्ण बैठक शनिवार को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इन्द्र सिंह ढुल की अध्यक्षता में हुई, जिसमें संगठन मजबूत व पार्टी के आगामी कार्यक्रमों को लेकर रूप रेखा तय की गई। उन्होंने बताया कि 15 दिसंबर को रूपया चौक स्थित पार्टी कार्यालय में इनेलो प्रदेश अध्यक्ष रामपाल माजरा कार्यकर्ताओं की बैठक लेगें। साथ ही 20 दिसंबर को सिरसा स्थित तेजा खेडा फार्म हाऊस पर लोहपुरूष एवं प्रदेश के पांच बार मुख्यमंत्री रहे स्व. चौधरी ओमप्रकाश चौटाला की स्मृति में श्रद्धांजलि समारोह का भी आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 28 दिसंबर को जींद रोड स्थित बाबा एसआरए पैरामेडिकल आईटीआई ग्राउंड में भव्य जनसभा का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें कई बडे दिग्गज नेता कांग्रेस, भाजपा व जजपा छोडकर इनेलो में शामिल होंगे। इस अवसर पर डा. राजपाल देशवाल, सुशीला, बलवान सुहाग, कृष्ण कौशिक, मंजीत कन्हेली, विनोद अहलावत, सतीश नांदल रिठाल, राकेश सहगल, सरदार जगमेन्द्र सिंह लक्की, रामकिशन मलिक आदि मौजूद रहे।

स्वर्णकार समाज को रोजगार के नए अवसरों से जोड़ना उद्देश्य

स्वर्णकार सेवा संघ ने 'हुनर से रोजगार तक' प्रशिक्षण शिविर का किया आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

स्वर्णकार सेवा संघ हरियाणा के तत्वावधान में रविवार को होटल रिवोली में 'हुनर से रोजगार तक' विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक चलेगा, जिसमें स्वर्णकार समाज के युवाओं, कारीगरों और उद्यमिता में रुचि रखने वाले प्रतिभागियों को आधुनिक प्रशिक्षण व मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा।

इस विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा दी जाएगी जानकारी

कार्यक्रम का उद्देश्य स्वर्णकार समाज को आत्मनिर्भर बनाते हुए उन्हें रोजगार के नए अवसरों से जोड़ना है। प्रशिक्षण शिविर में पारंपरिक स्वर्ण आभूषण निर्माण के साथ-साथ आधुनिक तकनीक, डिजाइनिंग, गुणवत्ता सुधार, मार्केटिंग, ब्रांडिंग और स्वरोजगार से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा जानकारी दी जाएगी।

ये रहे उपस्थित

इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में जिला प्रभारी महेंद्रगढ़ शिवशंकर धुपड़ उपस्थित रहेंगे। वहीं विशिष्ट अतिथियों में भाजपा युवा नेता हिमांशु ग्रोवर, जिला अध्यक्ष फतेहाबाद प्रवीण जोड़ा, चेयरमैन रामअवतार वर्मा, बहादुर सिंह वर्मा, रवि हांडा और सतपाल वर्मा शामिल होंगे। सभी अतिथि अपने अनुभव साझा करते हुए युवाओं को स्वरोजगार, उद्यमिता और संगठनात्मक एकता पर मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। इस मौके पर प्रदेश अध्यक्ष जोगेंद्र वर्मा,संरक्षक जयपाल लांबा, राजकुमार लांबा, गुरदीप सिंह, लखीराम सोनी, सुरेंद्र पाल, सुरेंद्र वर्मा, देवराला, विश्बंर वर्मा, रवि वर्मा, अमित वर्मा, पुनित वर्मा, संजय वर्मा आदि मौजूद रहे।

आज के दौर में रुपए, पैसे, गोल्ड, प्रॉपर्टी से कहीं ज्यादा मूल्यवान हो चुका है हमारा डेटा। इसीलिए इसको लेकर आम आदमी ही नहीं दुनिया भर की सरकारें भी चिंतित हैं। दरअसल, डेटा लीक या डेटा चोरी होने से इसका मिसयूज तो हो ही सकता है, हमारी सोच हमारी जीवनशैली को भी प्रभावित किया जा सकता है। डेटा की इंपॉर्टेंस और उसके प्रोटेक्शन के बारे में सभी को पता होना चाहिए।

हम सभी के लिए आवश्यक डेटा प्रोटेक्शन

कवर स्टोरी

लोकमित्र गौतम

यह इस साल या किसी एक देश की समस्या नहीं है। पिछले एक दशक से दुनिया के लगभग सभी देशों में सरकार, कॉरपोरेट जगत और आम लोगों के बीच लगातार डेटा प्रोटेक्शन को लेकर बहस से लेकर विचार-विमर्श तक जारी है। पिछले पांच सालों में दुनिया के एक दर्जन से ज्यादा देशों ने आम लोगों के डेटा सुरक्षा के लिए बेहद कड़े कानून बनाए हैं। पिछले महीने 14 नवंबर से हमारे यहां भी डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट 2023 (डीपीडीपी) कानून के रूप में अधिसूचित हो चुका है, जो अगले 18 महीनों में पूरी तरह से अपने सभी प्रावधानों के साथ आम लोगों के डेटा की सुरक्षा करेगा।

हर तरफ आज डेटा की ही चर्चा सुनाई पड़ती रहती है। चाहे बड़ी-बड़ी कॉरपोरेट कंपनियां हों, चाहे अदालतें हों, चाहे बड़े-बड़े वित्तीय संस्थान हों, सरकारें हों, हर जगह डेटा का शोर है। आखिर ये डेटा क्या बला है, जिससे आज की जिंदगी का लगभग हर पहलू जुड़ा हुआ है। आइए, सबसे पहले समझते हैं कि आखिर यह डेटा है क्या?

क्या होता है डेटा: जब हम डेटा कहते हैं तो उसका मतलब आमतौर पर आम आदमी के डेटा से ही होता है, तो आम आदमी का डेटा आज उतना ही महत्वपूर्ण या कीमती है, जितना खनिज तेल, सोना, घातक हथियार जैसी दूसरी चीजें हैं। इसकी वजह सिर्फ तकनीकी नहीं है बल्कि दुनिया भर के लोगों का रोजमर्रा का आम व्यवहार, विभिन्न देशों में होने वाले चुनाव, अरबों-खरबों की होने वाली खरीदारी और हर तरह के कारोबार के मूल में आम आदमी का डेटा ही है। आम आदमी का डेटा वह बुनियादी मनोविज्ञान है, जिस पर कोई भी कंपनी, कोई भी सरकार या माफिया हर समय कब्जा जमाने की कोशिश में रहता है। इसे और भी विस्तार से इस तरह समझ सकते हैं कि डेटा आज इंसान का पूरा डिजिटल प्रोफाइल या बायोडाटा है।

इसलिए माना जाता है मूल्यवान: आज लगभग हर कंपनी चाहती है कि उसके पास ज्यादा से ज्यादा लोगों का डेटा हो, जिससे वह अपनी बिजनेस रणनीति गढ़ सके और भरपूर कमाई सुनिश्चित कर सके। दरअसल, डेटा से कॉरपोरेट जगत को पता चलता है- आपकी उम्र, आपकी कमाई, आपकी रुचियां, आपकी पसंद-नापसंद, आपके ऑनलाइन रहने का समय, आपकी खरीदारी की खास चीजें, आप किन चीजों से प्रभावित होते हैं और किन से आपका मूड खराब होता है? कहने का मतलब आपका डेटा आपकी पूरी तरीके से जीवन कुंडली बन चुकी है, जिसे कोई भी कॉरपोरेट कंपनी जानकर आपकी पसंदीदा चीजों का उत्पादन, व्यापार आदि कर सकती है। कहना गलत नहीं होगा कि इसी डेटा की बदौलत आज विभिन्न उपभोक्ता सामान बनाने वाली कंपनियां अपने ग्राहकों के बारे में उनके परिवार के लोगों से भी ज्यादा जानती हैं।

डेटा बताता है आपकी रुचियां: डेटा आज के कॉरपोरेट जगत का सबसे बड़ा कारोबार है। इसकी बदौलत कंपनियों को अरबों, खरबों का फायदा और न जानने से नुकसान होता है। दरअसल, आज कॉरपोरेट जगत की सबसे बड़ी रणनीति है, डिजिटल टारगेटिंग। आपने महसूस किया होगा कि सोशल मीडिया में (मसलन फेसबुक या यू-ट्यूब में) आप जिस तरह की पोस्ट को लाइक करते हो, उस पर ज्यादा देर तक रुकते हो, कुछ देर के बाद इंटरनेट आपको उसी तरह की पोस्ट दिखाने लगता है। दरअसल, ये उसी आर्टिफिशियल लर्निंग का नतीजा है, जो अकसर कंपनियां लोगों के डेटा के जरिए हासिल करती हैं। अगर आपने किसी एप से तनाव, मेडिटेशन आदि की जानकारी ली है, तो आप तो एक बार जानकारी ले करके बंद कर देंगे, लेकिन अगली बार जब आप अपना मोबाइल या लैपटॉप खोलेंगे तो वैसी ही जानकारियों का सैलाब उमड़ रहा होगा। अगर किसी फूड एप से आपने रात में 10-11 बजे किसी दिन फूड ऑर्डर कर दिया, तो अगले दिन से आपकी देखी जाने वाली हर जगह पर देर रात के एक से बढ़कर एक व्यंजनों के ललचाऊ ऑफर बार-बार आपकी आंखों के सामने से गुजरेंगे। दरअसल, वो आपको टारगेट कर रही हैं कि आपने एक दिन अगर देर रात फूड ऑर्डर किया है तो बार-बार करिए। इस तरह कई बार न चाहते हुए भी लोग इस डेटा चक्रव्यूह में फंसते जाते हैं।

सोच को भी करता है प्रभावित: आज की तारीख में जिस कॉरपोरेट कंपनी के साथ आम लोगों का जितना बड़ा डेटा बैंक होगा, उसे उतना ही ज्यादा व्यापार लाभ होगा, क्योंकि उसके कारोबार में सफल होने की उतनी ही ज्यादा संभावनाएं होंगी। सिर्फ खाने पीने की चीजें या रोजमर्रा की शॉपिंग के लिए ही कंपनियां आपको आपके डेटा से नहीं प्रभावित करतीं बल्कि आपके डेटा से आपकी सोच और आपके विचार तक प्रभावित होते हैं, बदले जा सकते हैं या उन्हें जानकर आपको प्रभावित करने की ठोस रणनीति गढ़ी जा सकती है। लब्बोलुआब यह कि लोकतांत्रिक देशों में राजनीतिक पार्टियां आम लोगों के डेटा के बदौलत उनके सोच और उनके विचारों तक को अपने पक्ष में मोड़ लेती हैं। मतलब यह कि आपके डेटा की बदौलत प्रत्यक्ष रूप से आपको प्रभावित किए बिना भी राजनीतिक पार्टियां आपसे अपने पक्ष में मतदान करवा सकती हैं। मतलब सिर्फ मोबाइल स्कैम नहीं है यह किसी के दिमाग को अपनी मुट्ठी में कैद करने जैसा है।

बढ़े हैं फाइनेंसियल स्कैम्स: यह डेटा ही है, जिसकी बदौलत पिछले एक दशक में वित्तीय अपराधों की बाढ़ आ गई है। पिछले एक दशक में भारत ही नहीं पूरी दुनिया में वित्तीय अपराधों में 500 फीसदी से ज्यादा की बढ़ोत्तरी हुई है, क्योंकि इसी डेटा की बदौलत साइबर अपराधी, बैंकिंग फ्रॉड करते हैं, लोन धोखाधड़ी करते हैं, सिम स्वैप होता है। इसी डेटा से पिछले एक दशक में पूरी दुनिया में लाखों लड़कियों और महिलाओं को ब्लैकमेल किया गया है। इसलिए आज की तारीख में हम सभी के लिए डेटा प्रोटेक्शन बहुत ही जरूरी हो गया है। *

अपने डेटा को ऐसे रखें सुरक्षित

आपको वो तरीके भी जानने चाहिए, जिससे डेटा प्रोटेक्शन किया जा सकता है।

- हर जगह अपने पासवर्ड को ओपेन न रखें। अपना पासवर्ड कुछ बेहद व्यक्तिगत डेटा से निर्मित करें, क्योंकि देखा गया है कि ज्यादातर लोगों के पासवर्ड एक जैसे और अनुमानित होते हैं।
- आज की डिजिटल दुनिया में खुद को सुरक्षित रखने के लिए दो स्तरीय सुरक्षा जरूर करें। व्हाट्सएप, फेसबुक, गूगल, यूपीआई सबमें इसे ऑन करें, ताकि अगर आपका कोई पासवर्ड चुरा भी ले तो एकाउंट न खोल पाए।
- हर एप को अनावश्यक परमिशन न दें। जब भी आप किसी एप का इस्तेमाल करने की कोशिश करते हैं, तो वह आपसे कैमरा, आपकी लोकेशन, माइक्रोफोन, कॉन्टेक्ट आदि को साझा करने की शर्त रखता है। सोच-समझकर परमिशन दें।
- पब्लिक वाइफाई पर बैंकिंग या यूपीआई का इस्तेमाल बिल्कुल न करें। इससे आपकी वित्तीय सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। कॉफी शॉप, रेलवे स्टेशन, मॉल आदि की पब्लिक वाइफाई सबसे ज्यादा असुरक्षित होती है।
- हर दो-तीन महीने में एप्स की सफाई करना जरूरी है। अगर आपके मोबाइल में 30-40 अनुपयोगी एप्स हैं, तो याद रखिए वो बैकग्राउंड में चुपचाप पड़े अपने मालिकों को आपकी जरूरी सूचनाएं यानी डेटा भेज रहे होते हैं। इसलिए हर दो महीने में अपने मोबाइल से उन सारे एप्स को डिलीट करें, जिन्हें आप इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर ओवर शेयरिंग से बचें।
- मोबाइल स्क्रीन को हमेशा लॉक करके रखें और पिन कभी अपनी जन्मतिथि या बहुत ईजी न बनाएं। पिन और पास वर्ड हमेशा मजबूत रखें।
- बैंकिंग ओटीपी, केवाईसी लिंक किसी को न भेजें, चाहे वह कितना ही बड़ा अधिकारी ही क्यों न हों।

विशेष: विश्व ऊर्जा संरक्षण दिवस आज

हमारी पृथ्वी पर ऊर्जा के कुछ संसाधन सीमित मात्रा में हैं। ऐसे में आने वाली पीढ़ियों के लिए ऊर्जा की अधिक से अधिक बचत और संरक्षण बहुत जरूरी है। इस बारे में हम सभी के लिए जानना बहुत जरूरी है, तभी छोटे-छोटे प्रयासों से ऊर्जा संरक्षण में हम अपनी भूमिका निभा सकते हैं।

सुरक्षित भविष्य के लिए जरूरी है ऊर्जा की बचत और संरक्षण

सजगता

शिखर चंद जैन

वर्ष 1991 में ऊर्जा दक्षता ब्यूरो (बीईई) के द्वारा ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाने की शुरुआत की गई थी। तब से दुनिया भर में हर साल 14 दिसंबर को ऊर्जा संरक्षण दिवस मनाया जाता है। इसका मूल उद्देश्य है ऊर्जा की कमी, जरूरत और संरक्षण के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना।

ऊर्जा के प्रकार: ऊर्जा की बचत के तरीकों को जानने से पहले इसके प्रकारों के बारे में जानना जरूरी है। इसके विभिन्न स्रोतों को नवीकरणीय (रीन्यूएबल) और अनवीकरणीय (नॉन रीन्यूएबल) दो मुख्य श्रेणियों में बांटा जाता है।

नवीकरणीय: नवीकरणीय स्रोतों में सौर, पवन, जल (जलविद्युत), भूतापीय और बायोमास ऊर्जा शामिल होते हैं, जो प्राकृतिक रूप से रिसाइकिल हो जाते हैं।

अनवीकरणीय ऊर्जा स्रोत: अनवीकरणीय स्रोतों में कोयला, पेट्रोलियम (तेल), प्राकृतिक गैस जैसे जीवाश्म ईंधन और परमाणु ऊर्जा शामिल हैं, जो सीमित मात्रा में हैं और एक बार उपयोग होने पर समाप्त हो जाते हैं।

क्यों जरूरी है ऊर्जा संरक्षण: ऊर्जा संरक्षण के कई आर्थिक लाभ तो हैं ही, इससे पर्यावरण की सुरक्षा भी होती है। हमें यह भी याद रखना चाहिए कि ऊर्जा के संसाधन सीमित हैं, इसलिए इसे बचाना बेहद जरूरी है। यह ऊर्जा की लागत को कम करने, जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता घटाने और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने में मदद करता है। इससे वायु प्रदूषण और ग्लोबल वार्मिंग जैसी समस्याओं से लड़ने में मदद मिलती है। उर्जा संरक्षण प्राकृतिक संसाधनों को भविष्य की पीढ़ियों के लिए सुरक्षित रखता है। ऊर्जा का कुशल उपयोग राष्ट्रीय सुरक्षा को भी मजबूत करता है। ऊर्जा संरक्षण से बिजली और ईंधन के बिलों में कमी आती है, जिससे उपभोक्ताओं को पैसे बचाने में मदद मिलती है। ऊर्जा की कम मांग से नए बिजली संयंत्रों की आवश्यकता कम होती है, जो कि प्राकृतिक संसाधनों और बुनियादी ढांचे पर पड़ने वाले दबाव को कम करता है।

छोटे कदमों का बड़ा प्रभाव: ऊर्जा संरक्षण के लिए बहुत बड़े प्रयासों के अलावा, छोटे कदम भी उठाए जा सकते हैं। अगर आप विशेषज्ञों द्वारा बताई गई कुछ बातों पर ध्यान दें तो आप ऊर्जा और आर्थिक खर्च में भी बचत कर सकते हैं।

ऑफ रखें उपकरण: जब आप उपकरणों का इस्तेमाल न कर रहे हों तो सभी बिजली और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को बंद कर दें, क्योंकि स्टैंडबाय मोड में भी वे बिजली की खपत करते हैं। कोई कंप्यूटर बंद करने पर, स्लीप मोड पर रखने की तुलना में 10 गुना कम ऊर्जा की खपत कर सकता है। एक टीवी स्टैंडबाय मोड में एक वर्ष में 70 यूनिट तक बिजली खर्च कर सकता है। सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को बंद करने से साल में 5000 रुपए से 6000 रुपए तक बचाए जा सकते हैं।

इससे बिजली होगी कम खर्च: ज्यादा पुराना फ्रिज आधुनिक फ्रिज की तुलना में चार गुना ज्यादा बिजली खर्च करता है। घर के उपकरण जैसे फ्रिज का दरवाजा बार-बार खोलने और बंद करने से बिजली की खपत बढ़ जाती है। फ्रिज के पीछे की कूलिंग कॉइल पर धूल जमने से इसकी क्षमता घट जाती है, जिससे मोटर को अधिक काम करना पड़ता है और बिजली खर्च होती है। अपने फ्रिज को ओवन या स्टोव के पास न रखें, क्योंकि इससे बिजली की खपत बढ़ जाती है। लैपटॉप या डेस्कटॉप में, मॉनिटर अकेले ही पूरे सिस्टम की आधी से अधिक ऊर्जा का उपभोग करता है।

वाशिंग मशीन में गर्म पानी का तापमान कम करने से बिजली बचाई जा सकती है। एसी का इस्तेमाल करते समय, खिड़कियों पर पर्दे लगाएं ताकि कमरे की ठंडक बाहर न निकले। एसी फिल्टर को हर पंद्रह दिन में एक बार साफ करने से कंप्रेसर पर लोड कम होता है, जिससे ऊर्जा की बचत होती है। एसी को सीधे धूप से बचाएं, ताकि बिजली की खपत कम हो सके। माइक्रोवेव ओवन पारंपरिक इलेक्ट्रिक या गैस स्टोव की तुलना में कम ऊर्जा की खपत करते हैं। नया इलेक्ट्रॉनिक्स रेगुलेटर पुराने किस्म के रेगुलेटर की तुलना में अधिक ऊर्जा बचाता है। इन उपायों से ऊर्जा संरक्षण में अपनी भूमिका निभा सकते हैं। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

निर्भीक-बेबाक आत्मकथा

वरिष्ठ साहित्यकार उद्भ्रांत की आत्मकथा 'मैंने जो जिया' का तीसरा खंड 'काली रात का मुसाफिर' हाल में छपकर आया है। इसमें उन्होंने वर्ष 1987 से 1995 तक की अवधि के अपने जीवन का वर्णन किया है। कुल इक्कीस अध्यायों में बंटे उनकी इस अवधि की जीवनयात्रा में आए अनेक पहलू उजागर हुए हैं। इन अध्यायों के शीर्षक उन्होंने अपनी कविताओं से ही लिए हैं, जो उनके जीवन संघर्ष को प्रभावी ढंग से व्यक्त करते हैं। इससे गुजरते हुए यह साबित होता है कि वे अपने जीवन में एकसाथ कई मोर्चों पर संघर्ष करते रहे हैं। चाहे कार्यस्थल हो, पारिवारिक जीवन हो या साहित्य जगत, उन्होंने बिना किसी पक्षपात के पूरी बेबाकी से अपनी गाथा लिखी है। कहने की जरूरत नहीं कि यह ईमानदारी ही इस आत्मकथा को और भी महत्वपूर्ण बनाती है। बहुस्तरीय द्वंद्वों के बावजूद वे कैसे अपनी रचनाशीलता बचाए रखते हैं, यह नए रचनाकारों के लिए प्रेरक हो सकता है। औपन्यासिक शैली में लिखे जाने के कारण इसे पढ़ने में रोचकता और बढ़ जाती है क्योंकि इसमें वह स्वयं एक पात्र के रूप में नजर आते हैं। *

पुस्तक: काली रात का मुसाफिर (आत्मकथा), **लेखक:** उद्भ्रांत, **मूल्य:** 499 रुपए, **प्रकाशक:** अमन प्रकाशन, कानपुर

व्यंग्य / विनय मोघे

मंच पर दूल्हा-दुल्हन के बगल में बैठने वालों के हाथों में या खुद दूल्हा-दुल्हन के गले में भी क्यू आर कोड लटकाया जा सकता है। दूल्हे को नोटों की माला पहनाने के स्थान पर क्यू आर कोड की माला पहनाने से भी मेहमान अपना-अपना नेग चलते-फिरते भी दे सकेंगे।

शगुन@क्यूआर कोड

हाल ही में मुझे एक शादी समारोह में जाना था। कहीं भी सपरिवार पहुंचने में मुझे हमेशा देर ही हो जाती है। इसका कारण विश्वव्यापी है। श्रीमती जी को तैयार होने में देरी। पर उस दिन अनहोनी हो गई। मैं अपने मित्र के पुत्र की शादी में जरूरत से कहीं जल्दी पहुंच गया वह भी सपरिवार। उसके बाद शुरू हुआ गलतफहमियों का दौर। पहली गलतफहमी हमको हुई कि कहीं गूगल ने हमें गलत पते पर तो नहीं पहुंचा दिया है। उसके बाद वहां हमसे भी पहले पहुंचे कुछ लोगों को गलतफहमी हुई। किसी ने हमें टेंट वाला, डीजे वाला, केटरर्स, बैंड, बग्गी वाला और न जाने क्या-क्या समझ लिया। हम वहां जल्दी पहुंचने पर शर्मिंदा हो रहे थे। यह घटनास्थल भी शहर से बहुत दूर सूनसान इलाके में था, जहां आस-पास भी टाइम पास करने की कोई जगह नहीं थी। सो मैंने पत्नी से घर वापस चलने के लिए कहा पर वह तैयार नहीं हुईं, क्योंकि घर जाकर खाना बनाने का उनका मूड नहीं था। रास्ते में किसी होटल में खा लेंगे, मेरे ऐसा कहने पर वह तैयार हुईं। पर अब दूसरी समस्या थी कि साथ लाए शगुन के लिफाफे को किसे देकर जाएं ताकि हमारी उपस्थिति दर्ज हो जाए। पर उस जगह वहां ऐसा कोई नहीं था, जिसे हम लिफाफा सुपुर्द कर सकते। तो हमने लिफाफे के साथ ही घर के लिए प्रस्थान किया।

घर तक पहुंचने के एक घंटे के सफर में मैंने शादियों में क्यू आर स्कैनर के उपयोग पर बहुत गंभीरता से विचार किया। मैंने सोचा कि यदि आज उस जगह पर क्यू आर स्कैनर लगा होता तो हमें अपना लिफाफा वापिस ले जाने की नौबत नहीं आती। यदि क्यू आर कोड, निमंत्रण पत्र पर ही छपवा दें तो जो लोग शादी में नहीं आ सकते, वे भी अपनी आशीर्वाद राशि घर बैठे दे सकते हैं। शादी समारोह स्थल के मुख्य द्वार पर भी क्यू आर कोड लगाया जा सकता है। उन लोगों के लिए, जो बाहर से ही कल्टी मारना चाहते हैं। उसके बाद मंच पर दूल्हा-दुल्हन के बगल में बैठने वालों के हाथों में या खुद दूल्हा-दुल्हन के गले में भी क्यू आर कोड लटकाया जा सकता है। दूल्हे को नोटों की माला पहनाने के स्थान पर क्यू आर कोड की माला पहनाने से भी मेहमान अपना-अपना नेग चलते-फिरते भी दे सकेंगे। खाने की प्लेट पर भी क्यू आर कोड प्रिंट करवाया जा सकता है। जैसे ही खाने के लिए प्लेट उठाओ पहले पेमेंट करो बाद में खाना खाओ। यह तो हुई मेहमानों के लिए क्यू आर स्कैनर की बात। अब जरा वर-वधु पक्ष और अन्य पक्षों के लिए क्यू आर कोड की भी बात कर ली जाए।

दूल्हे की सालियां जूते छिपाने वाली रस्म का नेग अपने क्यू आर कोड पर लेने लगेंगी तो कैसा लगेगा! यदि एक साली हुई तब तो ठीक पर इसकी संभावना कम ही है। एक से ज्यादा सालियां होने पर क्यू आर कोड का उपयोग करना मुश्किल होगा। यदि शगुन की रकम कम ज्यादा हुई तो जूते के शगुन के लिए सालियों में ही संघर्ष होने की संभावना हो सकती है।

पंडितजी भी अपना क्यू आर कोड लेकर बैठेंगे और समय-समय पर अपनी दक्षिणा लेते रहेंगे। बैंड-बाजे और ढोलक वालों को अपना नेग लेने में थोड़ी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। उन्हें दो-तीन काम एक साथ करने होंगे। बजाना भी होगा, नेग देने वालों पर नजर रखकर अपना क्यू आर कोड रेंज में रखना होगा। बैंड-बाजे, ढोलक और लाइट वालों को वैसे भी इसकी आदत है। यह भी हो सकता है कि बारात की विदाई के मौके पर दूल्हे का बाप अपना क्यू आर कोड लेकर अड़ जाए कि जब तक फलां रकम का भुगतान मेरे क्यू आर कोड पर नहीं होगा, बारात यहां से नहीं जाएगी। आप तो बस देखते जाइए आगे होता है क्या-क्या!*

हर्बल इलेक्ट्रो होम्योपैथी मेडिसिन द्वारा संभव है
कैंसर का इलाज बिना किमो-बिना रेडिएशन

देवी अहिल्या कैंसर अस्पताल इंदौर

NO CHEMO THERAPY
- स्पष्ट प्रभाव परिणाम
- कम खर्चिला
- उच्चतम सफलता दर
- कैंसर की अंतिम स्टेज पर भी प्रभावशाली उपाय

NO RADIO THERAPY
- दर्द रहित इलाज
- कोई दुष्प्रभाव नहीं
- सफल इलाज के रिकार्डस
- अच्छे अनुभवी डॉक्टर

www.dahrc.in

HELPLINE 9584040131

कैंसर की जंग में हम आपके साथ हैं ...

1, आनंद नगर, चितावद, नेमावर रोड, नवलखा, इंदौर
फोन-0731-4084422 | 9685029784

पर्यटन स्थल
वीना गौतम

प्राकृतिक सौंदर्य-आनंद का अरण्य
नंदन कानन वन

कई पुराणों, रचनाओं में वर्णित नंदन वन आज भी अपने नैसर्गिक सौंदर्य के साथ उपस्थित है। यहां पहुंचकर आनंद और प्रकृति के सान्निध्य की अनोखी अनुभूति होती है। नंदन वन के सौंदर्य और महत्ता को पुनः हासिल करना चाहते हैं, तो हमें नंदन वन को संरक्षण देना होगा। इस वन की विशेषताओं और महत्ता के बारे में जानिए।

नंदन वन-यह शब्द सुनते ही मन में एक दिव्य, हरा-भरा और संगीतपूर्ण वातावरण का चित्र उभरता है। वास्तव में यह केवल एक भौगोलिक स्थल भर नहीं बल्कि आध्यात्मिक और सांस्कृतिक प्रतीक है। जिस तरह अपने देश में स्थित दंडकारण्य को युगों पहले तप और त्याग की भूमि माना जाता रहा था और नैमिषारण्य को ज्ञान की स्थली माना जाता था। उसी तरह नंदन वन आनंद, सौंदर्य और प्राकृतिक सामंजस्य की भूमि के तौर पर जाना जाता है।

प्राचीन-पौराणिक उल्लेख

इस वन का उल्लेख वेद, महाभारत, रामायण, भागवत पुराण और विष्णु पुराण में स्वर्गलोक के बागीचे के रूप में मिलता है। लेकिन इसकी पृथ्वीलोक में भी अपनी भौतिक उपस्थिति थी, जहां पुण्य आत्माएं अपने कर्मों के मुताबिक विश्राम करती थीं। अगर हम पौराणिक दृष्टि से देखें तो महर्षि नारद और इंद्र के संवादों में बार-बार नंदन वन का उल्लेख मिलता है। कुल मिलाकर प्रतीकात्मक अर्थ में नंदन वन, मनुष्य के भीतर सौंदर्य, आनंद और आत्मिक शांति का प्रतीक माना जाता रहा है, जो हमें यह याद दिलाता है कि सच्चा आनंद और सौंदर्य बाहरी वस्तुओं से नहीं बल्कि भीतरी मन और प्राकृतिक संतुलन में ही संभव है।

अब हो गया नंदन कानन वन

यहां जिस नंदन वन की ऐतिहासिकता और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि का उल्लेख कर रहे हैं, वह अब नंदन कानन वन के नाम से जाना जाता है, जो मौजूदा ओडिशा राज्य में एक आधुनिक अभ्यारण्य के रूप में मौजूद है। यह नंदन कानन वन, जैविक उद्यान या जियोलॉजिकल पार्क के रूप में भी जाना जाता है, यह प्राचीन और पौराणिक नंदन वन का आधुनिक रूप है। यह उद्यान भुवनेश्वर से करीब 15 किलोमीटर दूर जूनागढ़ वन क्षेत्र में स्थित है, जिसका नामकरण 29 दिसंबर 1960 को 'नंदन कानन' के रूप में हुआ था।

रहते हैं कई प्रजातियों के जंतु

आज की तारीख में नंदन कानन महज जैविक उद्यान भर नहीं है बल्कि भारत के प्रमुख चिड़ियाघरों में से एक है। 437 हेक्टेयर क्षेत्रफल में फैले इस जैविक उद्यान में 157 प्रजातियों के तकरीबन 3517 से अधिक जानवर रहते हैं। इनमें सफेद बाघ, शेर, हाथी, मगरमच्छ और विभिन्न प्रजातियों के पक्षी शामिल हैं। यह उद्यान केवल वन्यजीवों का संरक्षण नहीं करता बल्कि पर्यावरणीय शिक्षा और जैव विविधता के महत्व को भी बढ़ावा देता है। यहां की व्हाइट टाइगर सफारी, लायन सफारी और बटरफ्लाई पार्क पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र हैं।

पर्यावरणीय-सांस्कृतिक महत्ता

नंदन कानन जैविक उद्यान का आज की तारीख में पौराणिक से ज्यादा पर्यावरणीय महत्व है। यह स्थान न केवल वन्यजीवों का घर है बल्कि जैव विविधता, पर्यावरणीय शिक्षा और प्राकृतिक सौंदर्य का भी केंद्र है। यहां स्थित कंजिया झील और आस-पास के जंगल क्षेत्र वन्यजीवों के लिए प्राकृतिक आवास प्रदान करते हैं और देश के दूर-दूर से आए पर्यटकों को प्रकृति के समीप आने का एहसास कराते हैं। सांस्कृतिक दृष्टिकोण से नंदन वन भारतीय लोककला, संगीत और साहित्य की प्रेरणा का भी स्रोत है। यहां के प्राकृतिक सौंदर्य और शांति ने अनेक रचनाकारों को अपनी रचनाएं लिखने के लिए प्रेरित किया है। नंदन वन प्रकृति के संतुलन और सौंदर्य का संरक्षण करता है। यह हमें याद दिलाता है कि प्रकृति आनंद का स्रोत है। यह इसके उपभोग का जरिया नहीं है। जैव विविधता का संरक्षण, जलवायु संतुलन और वृक्षारोपण की भावना इसी नंदन वन की संस्कृति का हिस्सा है।

देश में और भी हैं नंदन वन

जहां तक हम पुराणों में उल्लिखित नंदन वन की कल्पना करते हैं, तो वह अकेला नंदन कानन वन क्षेत्र ही नहीं है। बल्कि देश के कई अलग-अलग क्षेत्रों में मौजूद कुछ वनों को भी प्राचीन काल से नंदन वन ही कहा जाता रहा है। एक नंदन वन का रिश्ता छत्तीसगढ़ के नंदन वन जैव उद्यान से है, जो कि वहां की राजधानी रायपुर में स्थित है। छत्तीसगढ़ का यह नंदन वन 202 हेक्टेयर में फैला है और यहां भी बाघ, शेर, भालू, हाथी, मोर, मगरमच्छ जैसी जीव प्रजातियों का घर है। इस आधुनिक नंदन वन का उद्देश्य जैव विविधता को संरक्षण देना और पर्यावरण के साथ-साथ ग्रीन टूरिज्म को बढ़ावा देना है। इसके साथ ही देश के एक और पहाड़ी क्षेत्र में ऐसा ही नंदन वन स्थित है। यह उत्तराखंड में स्थित है और यह भी हिमालयी क्षेत्र का प्राकृतिक उद्यान है। इसके परिक्षेत्र में आने वाले कई क्षेत्र जैसे कौसानी, रानीखेत, औली आदि में लोग इसे नंदन वन ही पुकारते हैं। यहां की सुंदरता, देवदारों की सुगंध और हिमालय का वैभव, इस वन क्षेत्र को एक दिव्यता प्रदान करता है।

कई रचनाओं में है उल्लेख

चाहे वेदों, पुराणों में वर्णित नंदन वन हो या आज भारत के कई क्षेत्रों में स्थित अलग-अलग नंदन वन, सभी का उद्देश्य पृथ्वी के सौंदर्य और प्राकृतिक संपन्नता से है। इनका वर्णन कई रचनाकारों ने किया है। किसी कवि ने लिखा है- *वृक्ष वंदन हों, नदियां गान करें/ और मन में निर्मल आनंद बहे/ तो समझो हम नंदन वन में हैं।* कुछ इसी प्रकार प्रसिद्ध कवि जयदेव के 'गीत गोविंद' में नंदन वन का रूपक मिलता है। इसी तरह अनेक लोकगीतों में नंदन वन का आनंद जैसी पंक्तियां आती हैं। इसलिए यह केवल एक स्थान नहीं बल्कि मन और आत्मा को दिव्य अनुभव देता है। इसलिए आज यह हमारी जिम्मेदारी है कि नंदन वन के महत्व को समझें, उसके संरक्षण का प्रयास करें। *

आज की भागदौड़ भरी जीवनशैली ऊपर से नकारात्मकता, असुरक्षा, डर का माहौल। ऐसे में चिंता, तनाव या भ्रम की स्थिति होना स्वाभाविक है। इस स्थिति को कैसे हैंडल करें कि आप हैप्पी-कूल रह सकें? आपके लिए उपयोगी सलाह।

लाइफस्टाइल
शिखर चंद जैन

चिंता-तनाव को करें दूर
रहें हमेशा टेंशन-फ्री

वर्तमान समय में हर किसी की जिंदगी में कशमकश, तनाव और चिड़चिड़ापन व्याप्त है। हिंसा, चोरी, ठगी, अन्याय या प्रतिशोध जैसी घटनाएं आम होती जा रही हैं। जिस तरह आज के दौर में नकारात्मकता, हिंसा और वैचारिक प्रदूषण नजर आ रहा है, ऐसा पहले नहीं था। ऐसे में व्याकुलता, झुंझलाहट या भ्रम की स्थिति उत्पन्न होना स्वाभाविक ही है। यह सच है कि दूसरों के विचारों, उनके क्रियाकलापों पर आपका नियंत्रण नहीं है, लेकिन कुछ छोटी-छोटी बातें अपना कर आप स्वयं को शांत, खुश और संयत रख सकते हैं।

किसी अजनबी की तारीफ करें: न्यूयॉर्क टाइम्स में प्रकाशित एक अध्ययन की रिपोर्ट बताती है कि किसी अजनबी द्वारा की गई साधारण सी तारीफ भी न केवल किसी का दिन बना सकती है बल्कि उस व्यक्ति के आत्मविश्वास में भी इजाफा कर सकती है। आप ऐसा करेंगे तो न सिर्फ अजनबी को बल्कि आपको भी खुशी मिलेगी। आप लोगों के साथ ऐसा व्यवहार करेंगे तो वहां उपस्थित दूसरे लोग भी यकीनन आपके साथ सकारात्मक व्यवहार करेंगे। मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलॉजी की एक्सपर्ट डॉक्टर डेबोरा ब्लम ने अपनी रिपोर्ट में यह भी कहा है कि अजनबियों के साथ दोस्ताना व्यवहार से आप बेहतर महसूस करते हैं।

कम गहरे रिश्तों को दें महत्व: हमें अपने सामाजिक और व्यक्तिगत संबंधों का दायरा कुछ बेहद खास, गिने-चुने लोगों तक ही संकुचित नहीं रखना चाहिए। नए दोस्तों को अपने जीवन में शामिल करना फायदेमंद होता है। ये नए रिश्ते न केवल हंसी-खुशी में योगदान करते हैं बल्कि कई तरह की मानसिक जरूरतों को भी पूरा करते हैं। कम गहरे रिश्ते में एक-दूसरे से बड़ी-बड़ी उम्मीदें, ईर्ष्या और कुंठा की संभावनाएं भी कम होती हैं। इससे मन कम आहत होता है।

विचारों का विश्लेषण करें: विचारों का हमारे तन-मन पर गहरा असर पड़ता है। जब बहुत सारे विचार उलझ गए हों और आप परेशान रहने लगे हों तो विचारों का एनालिसिस शुरू करें। हर दिन की समाप्ति पर अपने विचारों को तीन भागों में बांट लें। प्रेरक, सामान्य और नकारात्मक। नकारात्मक विचारों को दूसरे नजरिए से देखें-सोचें। इसे ऐसे सोचें, 'यह सब मेरे नियंत्रण में नहीं। लेकिन मैं सावधान रहूंगा और गलत चीजों से दूर रहूंगा।'

खुद को शक्तिशाली समझें: अकसर लोग आस-पास के कोलाहल, अव्यवस्था आदि से घबरा जाते हैं या भयभीत हो जाते हैं। मनोवैज्ञानिक कहते हैं कि हमें स्वयं को सक्षम, समझदार और शक्तिशाली समझना चाहिए। इससे व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन आते हैं

और दुनिया की वास्तविकताओं का हम सामना कर पाते हैं। इससे हम भ्रम, भय और संशय से मुक्त रहेंगे।

रोज कुछ अच्छा देखने का प्रयास करें: आपको अच्छी चीजें खोजने, उन्हें देखने और महसूस करने की आदत डालनी चाहिए। 'एंज्वॉइंग एवरीडे ब्यूटी' पुस्तक में इस संदर्भ में बहुत अच्छी बात कही गई है- यदि आप आस-पास की छोटी चीजों में सौंदर्य खोजने लगें तो यह आपके जीवन को सकारात्मकता और आनंद से भर सकता है।

सूचनाओं का एक्सपोजर कम करें: बहुत सारी सूचनाएं देखकर, पढ़-सुनकर भी हमारा मन नकारात्मक और अशांत हो जाता है। हमें अपने मतलब और काम भर की सूचनाओं पर ही फोकस करना चाहिए। यहां बताई गई इन बातों का ध्यान रखकर आप चिंता और तनाव से मुक्त रह सकते हैं। *

विंटर एसेसरीज
विवेक कुमार

ये ट्रेंडी-स्टाइलिश ग्लव्स देंगे
हॉट फील-कूल लुक

सर्दी के मौसम में ठंड से बचने के लिए गर्म ड्रेसेस, एसेसरीज तो सभी कैरी करते हैं। लेकिन यंगस्टर्स उसमें भी ऐसी चीजों को प्रेफर करते हैं, जो उन्हें स्टाइलिश लुक भी दे। इसीलिए विंटर ग्लव्स अब सिर्फ यंगस्टर्स के हाथों को गर्म रखने वाली एसेसरीज नहीं हैं बल्कि ये विंटर सीजन के लिए उनके स्टाइल स्टेटमेंट बन चुके हैं। बाजार में उपलब्ध ग्लव्स के नए-नए डिजाइन, टेक फ्रेंडली फैब्रिक और स्पोर्टी अर्बन लुक भी इनकी बढ़ती पॉपुलैरिटी का कारण है।

फैशनेबल दिखाएं: इन दिनों बाजार में अनेक तरह के ग्लव्स मिल रहे हैं, जो विशेष तौर पर फैशन पसंद युवाओं के लिए सर्दी का खास पहनावा बन गए हैं। विंटर ग्लव्स की बढ़ती डिमांड के कारण आजकल बाजार में विंटर ग्लव्स की बहार आई हुई है। डबल लेयर्ड, वाटर रेसिस्टेंट और विंड प्रूफ मैटेरियल से बनने वाले विंटर ग्लव्स इन दिनों युवाओं के एसेसरीज नंबर-वन बने हुए हैं।

हाथों को देते हैं गर्माइश: सर्दी के मौसम में हथेलियों में ठंड लगने की वजह से कोई भी काम करने में असुविधा होती है। हाथों को सर्दी से बचाने के लिए नरम ऊन, फ्लीस या न्यूट्रिन से बने ग्लव्स न केवल हाथों की गर्मी को अंदर ही कैद रखते हैं बल्कि यह बाहरी ठंड को भी अंदर नहीं घुसने देते। कहने का मतलब, ये ग्लव्स सर्दियों में हाथों को भरपूर गर्माइश देते हैं।

शहरी युवाओं के बीच ये ग्लव्स फैशनेबल एसेसरीज के रूप में जाने जाते हैं।

टच स्क्रीन ग्लव्स: आज के दौर में मोबाइल या लैपटॉप हमारे कामकाजी जीवन के साथ-साथ डेली लाइफस्टाइल का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए बाजार में अब ऐसे ग्लव्स भी मिल रहे हैं, जिनको पहनकर आप अपने मोबाइल, टैब और लैपटॉप को आराम से ऑपरेट कर सकते हैं। ये टच स्क्रीन फ्रेंडली ग्लव्स, युवाओं में बेहद लोकप्रिय हैं। इन ग्लव्स में अंगूठे और तर्जनी पर विशेष किस्म के कंडक्टिव फाइबर की वजह से इन्हें पहनकर मोबाइल, स्मार्ट वाच या टैबलेट को आसानी से चलाया जा सकता है। कॉलेज गोइंग स्टुडेंट्स, कैब ड्राइवर, डिलिवरी ब्वॉय और आईटी सेक्टर में काम करने वाले युवाओं के लिए यह पहली पसंद है।

बाइक राइडर के लिए: सर्दियों में बाइक चलाते समय ठंडी हवा के तेज झोंके हाथों को सुन्न कर देते हैं, जिसके कारण हैंडल को नियंत्रित करने में मुश्किल आती है। इसलिए पाम गार्ड ग्लव्स, लेदर ऑल सीजन ग्लव्स और ग्रिप एनहैंस ग्लव्स की भी सर्दियों में जबर्दस्त मांग होती है। इस बार बाजार में रिफ्लेक्टिव स्ट्रिप्स, एंटी स्लीप टेक्सचर और थर्मल पैडिंग वाले ग्लव्स बाइक चलाने वाले युवाओ की जबरदस्त पसंद बने हुए हैं। *

राज कपूर का जिक्र किए बिना हिंदी सिनेमा की बात अधूरी ही रहेगी। केवल अभिनय में ही नहीं, फिल्म निर्माण और निर्देशन में भी उनका अंदाज सबसे निराला था। उनकी कई फिल्मों को क्लासिक का दर्जा हासिल है। राज कपूर की जयंती (14 दिसंबर) पर हिंदी फिल्मों में उनके योगदान पर एक नजर।

अनोखे फिल्मकार-लाजवाब अभिनेता थे
हिंदी फिल्मों के पहले शोमैन राज कपूर

यादें / मनोज प्रकाश

हिंदी फिल्मों के ज्यादातर दर्शक थिएटर इस उद्देश्य से जाते हैं कि वे रुपहले पर्दे के सामने बैठकर कुछ देर के लिए बाहर की दुनिया को भूलकर सिनेमा के संपूर्ण मनोरंजन में डूब जाएं। दर्शकों की इस सोच और कसौटी पर पूरी तरह खरी उतरती हैं राजकपूर की फिल्में।

'शोमैन' से कहीं आगे

राजकपूर को हिंदी सिनेमा का पहला 'शोमैन' कहा जाता है, लेकिन उनकी शख्सियत इससे भी कहीं बढ़कर थी। उन्होंने जितनी भी फिल्में बनाईं, सभी में दर्शकों को हर प्रकार से भरपूर मनोरंजन मिला। उन्होंने संदेशपरक फिल्में भी बनाईं, उनकी ऐसी फिल्मों की कहानी और उसका प्रस्तुतिकरण भी लाजवाब हुआ करता था। संगीत, गीत, लोकेशन हो, चाहे फिल्म में काम कर रहे अभिनेता-अभिनेत्री हों या फिर विलेन ही क्यों न हों, सभी को देखकर लगता ही नहीं कि हम कोई सिनेमा देख रहे हैं। नायक-नायिका से लेकर फिल्म के सभी पात्र, यहां तक कि फिल्म की कहानी भी आस-पास के ही होने का अहसास कराते थे। यह प्रभाव, यही जादू था राजकपूर की फिल्मों का।

फिल्म मेकिंग की हर विधा में माहिर

राज कपूर फिल्म निर्माण के हर पक्ष में माहिर थे। बात अभिनय की हो, गीत-संगीत चुनने की, नायक-नायिका के ड्रेस सेलेक्शन की, लोकेशन डिसाइड करने की, कहानी समझने या निर्देशन कौशल की बात हो या फिर कैमरामैन के साथ बैठकर फिल्मांकन कराना, हर जगह उनकी एक स्पेशल छाप दिखती थी। उनकी यूनिट में शामिल क्लैप ब्वॉय से लेकर पर्दे के पीछे तक रहने वालों तक पर वह पैनी नजर रखते थे। आज भी एक्टर्स-डायरेक्टर्स उनके एक्टिंग और डायरेक्शन की बारीकियां देखते हैं, सीखते-समझते हैं, उनसे इंस्पायर होते हैं। आज भी जब-तब फिल्मों में राज कपूर का प्रभाव नजर आ जाता है।

फिल्म 'आवारा' में राज कपूर का अंदाज था निराला

'मेरा नाम जोकर' में राज कपूर ने किया शानदार अभिनय

दी कई यादगार फिल्में

1935 से लेकर 1988 तक राजकपूर ने 70 फिल्मों में अभिनय किया। 17 फिल्मों का निर्माण और 10 फिल्मों का निर्देशन किया। इन फिल्मों में से कुछ को छोड़कर राज कपूर की ज्यादातर फिल्मों की गिनती आज भी हिंदी सिने जगत की बेहतरीन फिल्मों में होती है। फिल्म 'मेरा नाम जोकर', शुरुआत में नकारी गई, लेकिन बाद में इस फिल्म ने तीन नेशनल अवार्ड जीतकर बता दिया कि जोकर ताश की गड्डी का सरताज होता है और किसी को भी मात दे सकता है। फिल्म का वह गीत 'अपने पे हंस के, जग को हंसाया, बन के तमाशा मेले में आया' आज जब हर कहीं दूसरे को रुलाने का दौर है, तब खुद पर हंसकर दूसरे को हंसाने वाले 'जोकर' की प्रासंगिकता समझ में आती है।

मिला भरपूर मान-सम्मान

राज कपूर ने अपने पिता पृथ्वीराज कपूर की लिगेसी को न सिर्फ कायम रखा बल्कि इसे आगे भी बढ़ाया। अपनी आने वाली पीढ़ियों के साथ-साथ पूरे हिंदी फिल्म जगत के लिए एक समृद्ध विरासत छोड़कर गए राज कपूर। एक तथ्य यह भी है कि कपूर फैमिली के तीन सदस्यों को दादा साहेब फाल्के अवार्ड से सम्मानित किया गया है। पृथ्वीराज कपूर, राज कपूर और शशि कपूर, दादा साहेब फाल्के से सम्मानित हो चुके हैं। राजकपूर को पद्मभूषण से भी सम्मानित किया गया था। इसके अलावा उन्हें तीन राष्ट्रीय पुरस्कार और ग्यारह फिल्मफेयर अवाड्र्स सहित कई अन्य पुरस्कार प्राप्त हुए। उनकी फिल्मों के गाने आज भी शादी-विवाह एवं अन्य अवसरों पर गाए-बजाए जाते हैं। 'मेरा जूता है जापानी...फिर भी दिल है हिंदुस्तानी' तो एक समय में पूरे देश में सुना जाता था और लोग उसे खूब गाते-गुनगुनाते थे।

फिल्माए यादगार गीत-दृश्य

राज कपूर की फिल्मों के कई गीत और उनके दृश्य आज भी दर्शकों के मन पर अंकित हैं। घर में आटा गूंथती स्त्री के माथे पर आने वाली लटें, 'हम तुम एक कमरे में बंद हों', 'झूठ बोले कौआ काटे', 'आवारा हूं या गर्दिश में हूं आसमान का तारा हूं', 'जीना यहां मरना यहां, इसके सिवा जाना कहां', 'कहता है जोकर सारा जमाना, आधी हकीकत आधा फसाना', 'सुन साहिबा सुन' जैसे तमाम गीत और इनके लोकेशंस आज भी भुलाए नहीं भूलते! ये वो सदाबहार गीत हैं, जो आज भी लोगों की जुबान पर आते रहते हैं और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर ट्रेंड भी करते रहते हैं।

अंदाज था निराला

राज कपूर के फिल्मांकन में निरालापन हर कहीं देखा जा सकता है। उनकी फिल्मों में हास्य की बात करें तो वहां फूहड़ता नहीं, एक किस्म की निश्छलता और भोलापन दिखता है। पर्दे पर उनकी निश्छल हंसी सभी का मन मोह लेती और हंसाती, गुदगुदाती थी। कई बार हंसाते-हंसाते रुलाती भी थी। इस मामले में राज कपूर की तुलना अकसर चार्ली चैपलिन से की जाती है।

तमाम आलोचनाओं के बावजूद इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि 'सत्यम शिवम सुंदरम', 'राम तेरी गंगा मैली', 'श्री चार सौ बीस', 'आवारा', 'जागते रहो', 'बरसात', 'आग' जैसी फिल्में और इनके कुछ दृश्य 'क्लासिक' हैं। सामाजिकता को अपनी फिल्मों का विषय बनाकर उसे मनोरंजन के साथ पेश करना और रोमांटिक सींस में भी पवित्र प्रेम को दिखाना सिर्फ राज कपूर के द्वारा ही संभव था। *